



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 18, 1978 (कार्तिक 27, 1900)

No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 18, 1978 (KARTIKA 27, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असर संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

सं० ए० 35017/1/77/प्रशा००II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंल्यक अधिसूचना दिनांक 17-1-1978 के अनुक्रम में केरल के महालेखापाल के कार्यालय के लेखा अधिकारी इस समय आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्त के आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में कार्यरत श्री एम० विश्वनाथन, की सेवाएं महालेखापाल केरल, त्रिवेन्द्रम को 12 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से पुनः सौंपी जाती हैं।

श्री एन० विश्वनाथन को 12-10-78 से 30-11-78 तक (दोनों दिनों सहित) 50 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया गया है। अपने अवकाश की समर्पित पर श्री एन० विश्वनाथन महालेखाकार, केरल, त्रिवेन्द्रम को रिपोर्ट करेंगे।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव (प्र०)

कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 अक्टूबर 1978

सं० पी०/23-प्रशासन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा प्रेड-१ के अधिकारी श्री टी० डी० जोधी को संघ लोक सेवा आयोग

के कार्यालय में 16-10-1978 (पूर्वाह्न) से उनके राष्ट्रीय बाध आयोग, सिचाई विभाग, कृषि और सिचाई मंत्रालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप, कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

एस० बालचन्द्रन
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्र० स० स० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1978

सं० ए० 31013/2/77-प्रशासन-I—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री लाला प्रसाद, स्थानापश्च निदेशक, केन्द्रीय अंगुलि-छाप व्यूरो को दिनांक 1-2-1977 (पूर्वाह्न) से मूल रूप से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में निदेशक, केन्द्रीय अंगुलि-छाप व्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

जर्मील सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1978

सं० एम-10/65-प्रशासन-5—भारतीय तेल निगम, लिमिटेड, नई दिल्ली में वरिष्ठ सतकंता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर श्री एम० गुप्ता ने दिनांक 19-10-1978 के पूर्वाह्न में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-19036/19/78-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री के० सी० वीरराघवन, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 16-10-78 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्थ पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोश्नत करते हैं।

रिपुदमन सिंह
प्रशासनिक अधिकारी लेखा
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 अक्टूबर 1978

सं० ओ० दो० 1038/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ऊषा जैन को 7-10-1978 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद

पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमे से जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-49/78-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री अशोक कुमार सूरी, जम्मू काश्मीर संघर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर कमांडेट के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सूरी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेट 40 वीं वाहिनी के पद का कार्यभार दिनांक 3-10-78 के पूर्वाह्न से सम्भाला।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

कागज प्रतिभूति कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० पी० एफ० 7(36)/5641—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(36) 3244 दिनांक 15-7-78 के आगे श्री एस० टी० सिरमट को स्थानापन्थ रूप से दिनांक 31-12-78 तक अग्निशमन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है या जब भी यह पद नियमित आधार पर भरा जावे। इनमें से जो भी पहले हो।

श० रा० पाठक,
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षा का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

सं० 1435-सी० ए०-1/112-78—प्रत्यक्ष उपनियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) को महर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्थ रूप में कार्य करने के लिए की है और नीचे कालम 4 से उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने कालम 3 में लिखे गए कार्यालयों में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में तैनात किया है:—

क्र० सं० लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) का नाम

पदोन्नति से पहले जिस कार्यालय में कार्यरत थे पदोन्नति के पश्चात् जिस स्थानापन्थ लेखापरीक्षा कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के अधिकारी (वा०) के रूप रूप में तैनाती की में नियुक्त हुई की तिथि

1 2

3

4

5

सर्वश्री

1. ओ० पी० गुप्ता

सदस्य लेखापरीक्षा महालेखाकार-II बिहार 28-8-78 (पूर्वाह्न) बोर्ड एवं पदेन नि- पट्टना

2. श्री ग्राम० ग्राम० देशमुख

देशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा देहरा- दून।

निदेशक लेखापरीक्षा सदस्य लेखापरीक्षा 29-8-78 (पूर्वाह्न) बोर्ड एवं पदेन निदेशक निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई

Division 10D

Acc. No. 100-2109

Date of 7/10/80

Cell No.

Processed

Ch-1

1	2	3	4	5
3.	श्री आर० के० जैन	महालेखाकार II मध्य प्रदेश, ग्वालियर	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची	24-8-78 (पूर्वाह्न)
4.	श्री जी० एल० वालुना	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा देहरादून	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा देहरादून	2-8-78 (पूर्वाह्न)
5.	कृष्ण कुमार सूरी	भारत के नियंत्रक-महा० महालेखाकार का कार्यालय, नई दिल्ली	महालेखाकार, हृषि०- याणा, चण्डीगढ़	31-8-78 (पूर्वाह्न)
6.	श्री बारीद बरण मिश्रा	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा रांची	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा रांची	7-8-78 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एन० वी० तिरुमला राव	हमालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	5-8-78 (अपराह्न)
8.	श्री द्वारिका प्रसाद गुप्ता-I	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची	28-8-78 (पूर्वाह्न)
9.	एम० बी० एस० पार्थसारथी	महालेखाकार उड़ीसा, भुवनेश्वर	महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर	5-8-78 (अपराह्न)
10.	श्री इकराम हूसैन नक्वी	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा रांची	28-8-78 (पूर्वाह्न)
11.	श्री देव प्रसाद गुप्ता	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची	2-8-78 (पूर्वाह्न)
12.	श्री ए० राधवन	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बम्बई	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, बम्बई	2-8-78 (पूर्वाह्न)
13.	श्री सरणी गिरि	महालेखाकार, राज- स्थान, जयपुर	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची	28-8-78 (पूर्वाह्न)

सुशील देव भट्टाचार्य
संयुक्त निदेशक (वा०)

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा
कटक, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

सं० ए०-मिन-१-२९ (गुप्त)-२९०२ (१२)—निम्नलिखित कार्यवाहक लेखा अधिकारियों की मौलिक नियुक्ति महालेखाकार, उड़ीसा द्वारा इस कार्यालय के लेखा अधिकारी संबंध में उनके नाम के साथ दर्शायी गयी तिथियों से की जाती है :

१. श्री ए० ए० मिश्र	.	.	१-९-७६
२. श्री जे० के० मूर्ति	.	.	४-५-७७
३. श्री ए० आर० दासगुप्ता	.	.	१-४-७८
४. श्री आर० के० मिश्र	.	.	१-८-७८

के० पी० बैंकटेस्वरन,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

(श्रीयोगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

सं० ए०-१९०१८/३६२/७८-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपति, भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी तथा रक्षा मंत्रालय के अवर सचिव श्री ए० के० दासगुप्ता को लघु उद्योग विकास संगठन में दिनांक 21 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, निदेशक ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

२. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री ए० के० दासगुप्ता ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 21 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 17 अक्टूबर 1978

सं० ए०-१९०१८/३५४/७८-प्रशासन (राज०) — राष्ट्रपति, भारतीय अर्थ सेवा की ग्रेड-III अधिकारी तथा आर्थिक सलाहकार के कार्यालय (श्रीयोगिक विकास विभाग, नई दिल्ली) की अनुसंधान अधिकारी श्रीमती सरयू आयंगर को लघु उद्योग विकास संगठन में दिनांक 23 अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, उपनिदेशक, (आर्थिक अन्वेषण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

२. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्रीमती आयंगर ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 23 अगस्त, 1978 (पूर्वाह्न) से उपनिदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

महेन्द्र गुप्ता,
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1978

सं० प्र०-८/२४७(१५)/पांच—भारतीय निरीक्षण सेवा (धाराक्रम I) (ग्रुप ए) के ग्रेड-III के स्थायी सहायक निदेशक

निरीक्षण (धारा) और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन जमशेदपुर निरीक्षणालय में स्थानापन्थ उप-निदेशक (निरीक्षण) भारतीय निरीक्षण सेवा के (ग्रेड-II) श्री पी० सी० बोस निवर्त्मान आयु होने पर दिनांक 30-९-७८ के प्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक,
पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

सं० ए-१९०११/४७/७८-स्था० ए०—राष्ट्रपति द्वारा श्री ए० ए० बोस, उप-खान नियंत्रक को दिनांक 29 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्थ रूप में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

ए० बाल गोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1978

सं० ए०-१२०२६/३६/७७ (एच० श्र०) प्रशासन-१—इस निदेशालय की ३ फरवरी, 1978 की अधिसूचना संल्या ए०-१२०२६/३६/७७-(एच० श्र०) प्रशासन-१ के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री एच० के० धोते को इस निदेशालय में आर्किटेक्ट के पद पर ५-२-७८ से १०-३-७८ तक की आगामी अवधि के लिये श्री एम० के० गप्ता, जो छट्टी पर है, के स्थान पर तवर्ध आधार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

सं० ए०-१२०२६/६२/७६-के० से० स्वा० यो०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने श्री पी० आर० दराने को 10 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में प्रशासने अधिकारी के पद पर तवर्ध आधार पर नियुक्त किया है।

ए० ए० भाटिया,
उप-निदेशक प्रशासन (के० से० स्वा० यो०)

कुषि भौति सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय, फरीदाबाद

फरीदाबाद, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

सं० ए०-१९०२३/७१/७८ प्र०-III—संधि लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री नारायण सिंह, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय में कलकत्ता में दिनांक 7-९-७८ (पूर्वाल्क) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-II), नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर श्री सिंह ने अंस्तूर में दिनांक 4-९-७८ के अपरालू में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० १९०२३/७४/७८-प्र०- —श्री जी० के० पल्लन, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय में नई दिल्ली में दिनांक 11-९-७८ (पूर्वाल्क) से तीन माह की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थाई और तबर्थ आधार पर या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हों, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री पल्लन ने दिनांक 11-९-७८ के पूर्वाल्क में नई दिल्ली में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिये हैं।

दिनांक 28 अक्टूबर 1978

सं० ए०-१९०२५/३३/७८-प्र०-III—इस निदेशालय की अधिकृति संख्या फाइल 4-६(६९)/७७-प्र०-III, दिनांक 3-११-७७ में क्रम संख्या ६ पर अंकित दिनांक 7-७-७७ से सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर नियमित नियुक्ति के बारे में श्री उमेश कुमार का नाम हटाया जाए। जब तक अगले आदेश होते हैं, तब तक श्री उमेश कुमार स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर तबर्थ आधार पर काम करते रहेंगे।

सं० ए०-१९०२५/१०७/७८-प्र०-III—संधि लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार डा० कमल कुमार दास को इस निदेशालय में मद्रास में दिनांक 16-१०-७८ (पूर्वाल्क) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II), नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक, प्रशासन,

हुसे कुषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय इंधन समिक्षा

हैदराबाद-५००७६२, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

आदेश

सं० न० ई० स० /प्रशा०-५/२०/१६९२—जब कि श्री सैयद अब्दुल रशीद, कारीगर 'बी' ई० ई० एस० ना० ई० स०,

१०-१-१९७८ के परसर्ग की अनुमति के साथ ११-१-१९७८ से उन्हें मंजूर की गई ९० दिन की छुट्टी समाप्त होने के बाद ड्यूटी पर आने में असफल रहे।

और जबकि उक्त श्री रशीद ने दिनांक ४-४-१९७८ के अपने पक्ष द्वारा, जो सऊदी अरब से लिखा प्रतीत होता है, ९ जुलाई, १९७८ तक छुट्टी आगे बढ़ाने का आवेदन किया था परन्तु उसमें अपना पता नहीं लिखा,

और जब कि उक्त श्री रशीद को एक जापन द्वारा जिसमें उन्हें तुर-त ड्यूटी पर आने का निदेश दिया गया उनके अंतिम ज्ञात पते मकान सं० १२-१-७५९ आफिस नगर, हैदराबाद पर ८-५-१९७८ को भेजा गया क्योंकि उक्त श्री रशीद ने दिनांक ५-१-१९७८ के अपने ड्यूटी के आवेदन में या दिनांक ४-४-१९७८ की अपनी छुट्टी आगे बढ़ाने की प्रार्थना में छुट्टी की अवधि का पता नहीं लिखा था,

और जब कि उक्त श्री रशीद ने ड्यूटी से लगातार अनुपस्थित रहे,

और जब कि निम्न हस्ताक्षरकार्ता द्वारा उक्त श्री रशीद को २३-७-१९७८ को एक जापन जारी कर यह सूचित किया गया कि बुरा आचरण करने के लिए उक्त श्री रशीद के विश्व जांच आयोजित करने का प्रस्ताव है तथा उक्त श्री रशीद को उनके बचाव का व्यान दाखिल करने का निदेश दिया गया था,

और जब कि दिनांक २३-७-१९७८ का उक्त जापन जो उक्त श्री रशीद के अंतिम ज्ञात पते मकान नं० १२-१-७५९, आसिफ नगर, हैदराबाद पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजा गया था वो टिप्पणी “आसामी शहर में नहीं है इसीलिए भेजने वाले को लौटाया जाता है” के साथ बिना वितरित किए लौटा दिया गया था,

और जब कि उक्त श्री रशीद छुट्टी समाप्त होने पर वापिस न लौटने व अपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के अपराधी हैं,

और जब कि ना० ई० स० को अपने वर्तमान के बारे में बिना कुछ बताये अपने मर्जी से सेवा का परित्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षर कर्ता इससे संपत्त है कि ना० ई० स० के स्थाई आदेशों के पैरा तथा/या के० ना० स० (व० नि० प्र०) नियम १९६५, के नियम १९ (ii) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री सैयद अब्दुल रशीद को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

और, जब इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर करती, ना० ई० स० स्थाई आदेशों के पैरा ४२ के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० २२(१)/६८-प्रशा०, दिनांक ३-१२-१९७० तथा/या के० ना० स० (व० नि० प्र०) नियम १९६५, के नियम १९ (ii) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री सैयद अब्दुल रशीद को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

एच० सी० कटियार,
उप-मुख्य कार्यपालक

आदेश

सं० ना० ई० स०/प्रशा०-५/२०/१६९ ३—जब कि श्री शेख महबूब, कारीगर 'डी', पम० ई० एस०, १७-१-१९७८, २४-१-१९७८, ३१-१-१९७८, ७-२-१९७८ साप्ताहिक छुट्टियों तथा २६-१-१९७८ की सार्वजनिक छुट्टी की अनुमति सहित १५-१-१९७८ से उन्हें मंजूर की गई १९ दिन की छुट्टी समाप्त होने पर इयूटी पर उपस्थित होने में असफल रहे,

और जब कि उक्त श्री महबूब ने अपने दिनांक १३-२-१९७८ के आवेदन द्वारा २३-२-१९७८ तक आगे छुट्टी बढ़ाने का आवेदन किया,

और जब कि उक्त श्री महबूब को १८-५-१९७८ को एक तार द्वारा इयूटी पर तुरन्त आने का निदेश दिया जो उनके अंतिम ज्ञात पते मकान सं० ७-२-२१६, अशोक कालोनी, हैदराबाद-१८ पर भेजा गया था, केन्द्रीय तार घर, हैदराबाद से प्राप्त सूचना के अनुसार "आसामी चले गए" के कारण वितरित नहीं किया जा सका,

और जब कि उक्त श्री महबूब इयूटी से निरंतर अनुपस्थित रहे,

और जब कि उक्त श्री महबूब को रजिस्टर्ड डाक द्वारा, उनके १२-२-१९७८ छुट्टी के आवेदन पर दिये गए पते पर एक ज्ञापन भेज कर १०-९-१९७८ तक इयूटी पर आकर उनकी गैर-कानूनी अनुपस्थिति के लिए संतोषजनक स्पष्टीकरण दाखिल करने का निदेश दिया गया था,

और जब कि दिनांक २१-८-१९७८ का ज्ञापन डाक विभाग द्वारा टिप्पणी इस पते वाला भारत से बाहर है तथा इसीलिए उक्त पते पर यह वितरित नहीं किया जा सका, के साथ लौटा दिया गया,

और जब कि उक्त श्री महबूब लगातार अनुपस्थित रहे तथा ना० ई० स० को अपने बारे में कुछ भी सूचित करने में असफल रहे,

और जबकि उक्त श्री महबूब छुट्टी समाप्त होने पर इयूटी पर वापिस न लौटने व अपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के अपराधी हैं,

और जब कि ना० र० स० को अपने वर्तमान के बारे में कुछ बताये बिना अपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट है कि ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा ४१ के अन्तर्गत जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

और, अब इसीलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता, ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा ४२ के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० २२(१)/६८-प्रशा० दिनांक ३-१२-१९७० तथा/या के० ना० से० (व० नि० अ०) नियमों १९६५, के नियम १९ (ii) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री शेख महबूब को तत्काल प्रभाव से सेवा से विद्युत करते हैं।

एच० सी० कटियार,
उप-मुख्य कार्यपालक

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपकम, दिनांक १२ अक्टूबर १९७८

सं० आर० आर० सी०-II-१(२६)/७२-रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को ४ मितम्बर, १९७८ के अपराह्न से आगे आदेश तक के लिए उनके नामों के आगे लिखे पदों पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

क्र०	नाम तथा पदनाम	मैलिक पद	पद, जिस पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं
१.	श्री ए० सेतुमाधवन	आशुलिपिक, सहायक प्रशासन अधिकारी	प्रशासन-अधिकारी- II
२.	श्री एम० कृष्णामूर्ति,	आशुलिपिक, प्रबारण कोटि आशु-लिपिक	सहायक प्रशासन-अधिकारी अनुसंधान-केन्द्र

बी० श्रीनिवासन, मुख्य प्रशासन-अधिकारी छुटे परियोजना निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन वा कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक २६ अक्टूबर १९७८

सं० ए०-३२०१४/२/८-ई० ए०—माहानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए अधिवापदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के प्रेड में नियुक्त किया गया है। उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, बमरौली (इलाहाबाद) में तैनात किया गया है:—

क्र०	नाम	तारीख
१.	श्री जे० पी० कपूर	२५-९-७८
२.	श्री पी० एम० धनराज	२५-९-७८
३.	श्री ए० एफ० हर्बरट	२५-९-७८
४.	श्री सी० बी० यदनाथक	२५-९-७८
५.	श्री पी० के० दास	२५-९-७८
६.	श्री ए० सी० दास	२५-९-७८
७.	श्री जी० बी० सिंह	२५-९-७८
८.	श्री इन्द्रजीत सिंह	५-१०-७८

बी० बी० जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

वर्षमार्ग, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

सं० 1/467/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री पी० ब्ही० एस० एन० मूर्ति को 1 मित्रवर्ष, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक नई दिल्ली में अस्थायी तौर पर सहायक अधिविता नियुक्त किया जाता है।

पा० की० गो० नायर,
निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सोमा शुल्क समाहर्तालिय

कानपुर, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

सं० 38/78—श्री एस० के० अग्रबाल निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतन मान रु० 560-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो० -40-1200, के पद का अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांक प० सं० 11-22-स्था०/78 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/4/78 दिनांक 9-1-78 तथा 11-22 स्था०/78-108 दिनांक 17-1-78 के अन्तर्गत निर्गत स्थापना आदेश सं० 1/ए० 24/78 दिनांक 17-1-78 अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' एम० ओ० आर० सिकन्दराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 20-1-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 37/1978—इस कार्यालय के पद संख्या 11-22 स्था०/28/27386 दिनांक 1-6-78 के अन्तर्गत निर्गत स्थापना आदेश संख्या 1/ए०/149/78 दिनांक 1-6-78 के फलस्वरूप श्री डी० एन० भाटिया अधीक्षक वर्ग 'ख' ने एम० ओ० आर० 1-मोदी गाजियाबाद-1-प्रखण्ड का कार्यभार दिनांक 3-4-78 अपराह्न को श्री एम० एन० माथुर अधीक्षक वर्ग 'ख' को सौंपकर उप-समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मेरठ के कार्यालय में दिनांक 7-8-78 को अधीक्षक वर्ग 'ख' के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 23 अक्टूबर 1978

सं० 39/78—श्री चैतराम जयंत निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग 'ख' वेतन मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो० 40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22 स्था०/78/27386 दिनांक 1-6-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/149/78 दिनांक 1-6-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, एम० ओ० आर० III मोदी नगर का कार्यभार दिनांक 26-6-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

दिनांक 25 अक्टूबर 1978

सं० 41/78—श्री एन० आर० गजवानी कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-800-40-1000 द० रो० 40-1200 के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांक प० सं० II/145-स्था० /7840410 दिनांक 19-8-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/254/78 दिनांक 19-8-78 प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग 'ख' गाजियाबाद II के पद का कार्यभार दिनांक 11-9-78 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 42/78—इस समाहर्तालिय के स्थापना आदेश संख्या 1/ए०/149/78 दिनांक 1-6-78 जो कि उस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या 11-22 स्थापना /78/27386 दिनांक 1-6-78 से जारी किया गया था। के अनुसार श्री पी० एस० तिवारी ने अधीक्षक वर्ग 'ख' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० फलखाबाद के पद का कार्यभार दिनांक 8-7-78 को (पूर्वाह्न) में ग्रहण कर लिया है।

के० एल० रेडी,
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

सं० ए० 32012/2/70-प्रशा० पांच—प्रधिसूचना संख्या ए०-32012/2/70-प्रशा० पांच, दिनांक 7 मई, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री डी० एस० कलोटी की केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई आधार पर दिनांक 11-11-78 से 17-12-78 की अगली अवधि तक अथवा श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० ए० 12017/5/76 प्रशा० पांच—प्रधिसूचना सं० ए०-19012/667/77-प्रशा० पांच, दिनांक 15 जुलाई, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० सी० सूद की सिक्किम अन्वेषण प्रभाग, गंगटोक (सिक्किम), केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में तदर्थ नियुक्ति को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई आधार पर 26-10-1978 से 31-12-1978 की अगली अवधि तक अथवा श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० ५-19012/725/78-प्रशा० पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (शुप-बी०) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री G. B. Balakrishnan, पर्यवेक्षक

को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अधियंता के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर ₹० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-40 द० रो० 40-1200 के बेतनमान में 11-7-78 (एफ० एन०) की पूर्वाह्न/अपराह्न से 6 महीनकी अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाता, जो भी पहले ही, नियुक्त करते हैं।

2. श्री G. B. Balakrishnan की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एवं अस्थाई आधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के आधार पर वे पदोन्नति अथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

दिनांक 28 अक्टूबर, 1978

शुभिं-पत्र

सं० ए०-19012/707/78-प्रशा० पांच—इस आयोग की अधिसूचना सं० ए०-19012/707/78-प्रशा० पांच, दिनांक 24-7-78 के क्रम० सं० 1 पर आया हुआ श्री य० एस० भास्कर राव का नाम एस० य० भास्कर राव पढ़ा जाए।

जे० के० साहा
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड,
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), दिनांक 28 अक्टूबर 1978

सं० 3-314/73-ईस्ट० (ई०)—श्री जे० आर० एल० गुप्ता को दिनांक 18-9-78 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, फरीदाबाद में सहायक अधियंता के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-553/78-ईस्ट० (ई०)—श्री एम० डी० कालडा, कलिष्ठ अभियन्ता को दिनांक 5-10-1978 (अपराह्न) से पदोन्नति देकर अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में भण्डार अधिकारी के पद पर जी० सी० एस० श्रेणी 'ब' (राजपत्रित) में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। अगले आदेश तक उनका मुख्यालय केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड फरीदाबाद में होगा।

अर्जीत सिंह
मुख्य अभियन्ता एवं सदस्य

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडु, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

सं० ई० 283/31/भा० 1 (ओ०)—श्री के० एस० राय रेलपथ निरीक्षक पूर्तीय श्रेणीको दिनांक 17-4-68 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/288/28 भा० III (ओ०)—श्री ए० बी० सुनदरम्, सहायक बिजली इंजीनियर (प्रिसीय श्रेणी), को दिनांक 21-4-1978 वे प्रबर बेतनमान में प्रबर बिजली इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

3. सं० ई०/283/III/128/भा० III (ओ०)—श्री एस० ए० सामी, शॉप अधीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 22-4-1978 से सहायक बिजली इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर द्वितीय श्रेणी सेवा में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

4. ई० /283/III/128/भा० III (ओ०)—श्री ई० आर० कुरुप, सहायक बिजली इंजीनियर (प्रिसीय श्रेणी) को दिनांक 25-4-1978 से प्रबर बेतनमान में प्रबर बिजली इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

5. ई०/283/II/133/भा० III (ओ०)—श्री के० के० पिल्लै सिगनल निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 1-5-1978 से सहायक सिगनल श्रीर दूर संचार इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

6. ई०/283/30/पी० बी० आई० (ओ०)—श्री ए० के० गांगुली, मंडल अधीक्षक के गोपनीय सहायक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 9-5-1978 से सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रिसीय श्रेणी) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

7. ई०/283/30/पी० बी० आई० (ओ०)—श्री ए० सेनगुप्त प्रबर अमिक कल्याण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी), को दिनांक 11-5-78 से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

8. ई०/283/30/पी० बी० आई० (ओ०)—श्री ए० अटर्जी, महाप्रबंधक के गोपनीय सहायक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 11-5-78 से सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रिसीय श्रेणी) के पद पर स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

9. ई०/283/30/पी० बी० आई० (ओ०)—श्री एम० एल० राय मुख्य अमिक कल्याण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 11-5-78 से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

10. ई०/283/III/59/पी० बी० III (ओ०)—श्री ए० पी० सेन, सहायक यांत्रिक इंजीनियर (प्रिसीय श्रेणी) को प्रबर बेतनमान में दिनांक 11-5-78 से डी० एम० ई० के पद पर स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

11. ई०/283/III/133/पी० आई० बी० (ओ०)—श्री सी० बी० बोस दूर संचार निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 12-5-1978 से सहायक सिगनल श्रीर दूर संचार इंजीनियर

के पद पर स्थानापन्न करने के रूप में नियुक्त किया जाता है।

12. ई० 283/III/133/पी० वी० आई० (ओ०) —श्री ए० महंत सहायक सिगनल और दूर संचार इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 16-5-1978 से मंडल सिगनल और दूर संचार इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थे आधार पर द्वितीय श्रेणी सेवा में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

13. ई०/283/30/पी० वी० आई० (ओ०) —श्री जे० भट्टाचार्य, मुख्य श्रमिक कल्याण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 18-5-1978 सं० सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

14. ई०/283/III/59/पी० वी० III (ओ०) —श्री के० वी० एस० एस० प्रसाद राव, अधीक्षक वर्ष क्रम लेखन (स्पैकटो ग्राफी) (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 9-6-1978 से पूर्णतः तदर्थे आधार पर एस० एम० टी० के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/55/III/91 भाग III /ओ०—यातायात (परिवहन) तथा वाणिज्य विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष अंकित तारीख से अवधार वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

क्र०	अधिकारी का नाम	जिस तारीख से स्थाई किये गये हैं।
------	-------------------	---

1. श्री पी० एस० राय	1-7-78
2. श्री आर० के० कैरी	16-7-78

बी० बेंकटरमणी महा प्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और ट्रेड कोमिकल एण्ड एज्वेसिव के विषय में

पटना, दिनांक 25 अक्तूबर 1978

सं० (842)-4/560-78-79/4499 कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कारंकाल कमेरेशियलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधिटि कर दी जायगी।

एम० बनर्जी
कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कारंकाल कमेरेशियलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

सं० 59/560 (3) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कारंकाल कमेरेशियलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधिटि कर दी जायगी।

एस० आर० वी० सत्यनारायना
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स एवरेस्ट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर के विषय में।

जयपुर दिनांक 27 अक्तूबर 1978

सं० स्टैट/1602/7760—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स श्रीबन कैमीकल्स एण्ड फर्टीला-ईंजर्स, प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर, का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी निधिटि हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स श्रीबन कैमीकल्स एण्ड फर्टीला-ईंजर्स, प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर, के विषय में

जयपुर, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

सं० स्टैट/1602/7760—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स श्रीबन कैमीकल्स एण्ड फर्टीला-ईंजर्स, प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर, का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटि हो गई है।

रामदयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और अपर इंडिया सेलिंग एजेसी प्राइवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में।

दिनांक 27 अक्तूबर 1978

सं० एल० 10509/एच० डी० (1758) —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण

में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च-न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 6-9-75 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

श्री श्रार० के० भट्टाचार्य,
कम्पनियों का असिस्टेन्ट रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्पेशल चिट फन्ड एन्ड फाईनेन्सियर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर दिनांक, 30 अक्टूबर 1978

सं० (जी० स्टेट/560/2898/7696—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्पेशल चिट फन्ड एन्ड फाईनेन्सियर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और न्यू हिन्दुस्तान एक्स सोलजरस फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 30 अक्टूबर 1978

सं० जी/ स्टेट/560/2740/7699—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीस मास के अवसान पर न्यू हिन्दुस्तान एक्स सोलजरस फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न

किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तापल
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर 1978

स्थापना-केन्द्रीय सेवाएं-राजपत्रित आयकर अधिकारी
वर्ग "ख"-पुस्टीकरण

सं. 150—लखनऊ प्रभार के निम्नलिखित आयकर अधिकारियों (वर्ग ख) को ६० ६५०-१२०० के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख पुष्ट (कन्फर्म) किया जाता है।

क्र०	अधिकारी का नाम और वर्तमान तैनाती का स्थान	पुस्टीकरण की तारीख
सं०		

1	2	3
---	---	---

संबंधी

1. के० सी० सक्सेना, आयकर अधिकारी, सम्भल	1-8-74
2. प्रेम प्रकाश, आयकर अधिकारी, बदायू	1-11-76
3. पी० एन० श्रीवास्तव, आयकर अधिकारी, रामपुर	1-3-78

दि आवश्यकता हुई तो किसी भी अनुवर्ती स्तर पर उनके पुस्टीकरण की तारीख में परिवर्तनन किया जा सकता है।

एस० के० लाल,
आयकर आयुक्त,
लखनऊ

प्ररूप आई० दी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/10-78/291—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संज्ञा कृषि भूमि है तथा जो छत्तरपुर गांव,
तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षहृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
द्वन्द्व कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात् ।—

1. श्री शाम सुन्दर सुपुत्र श्री राम चन्द्रा तथा श्रीमती
विद्या वती पत्नी श्री शाम सुन्द्रा, निवासी बी-96, ग्रेटर
कैलाश, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती मूर्ति देवी सुपुत्री श्री दूनी चन्द्र, निवासी ई-510, ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली तथा श्रीमती राधा देवी,
सुपुत्री श्री फकीर चन्द्र, निवासी ई-510, ग्रेटर कैलाश-II;
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 बीगा तथा 8 बिसवा
है और खसरा नं० 1241 (0.5), 1242/1 (2-4),
1253 (4-16), 1254 (4-16) 1282 (4-16), 1283
(4-16), 1284 (4-15) है तथा इसके साथ में टूअब-बैल
भी है, छत्तरपुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में
है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज दिल्ली

तारीख 24 अक्टूबर 1978

मेरहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1978

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/ 10-78/290—
अतः मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या 25/30 है तथा जो तिलक नगर नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 29-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामित्यों को जिस्में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थापा (1) के अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ता देवी, पत्नी श्री ईश्वरदास, निवासी 13/27, तिलक नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. कृपाल सिंह तथा अमरीक सिंह, सुपुत्र श्री जेमलम सिंह, निवासी डब्ल्यू०-175 मायापुरी कैल-II, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविस्तरों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविस्तरों में से किसी अविस्तर द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविस्तर द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधियाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक लीज होल्ड प्लाट जिसका नं० 25/30 है और
क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, तिलक नगर कलौनी, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 29

पश्चिम : रोड

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

तारीख : 24 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1978

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /10-78/292/—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-22 का 1/2 हिस्सा है तथा जो जनता मार्किट, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुर्हे किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अन्तर्न कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-न के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यतः:—

1. श्री सौदागर मल, सुपुत्र श्री गुरुदित्ता मल, चानना, निवासी एस०-12, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री राम आसरा तथा श्री भगत राम, दोनों सुपुत्र श्री ईशर दास, निवासी एस०-14, जनता मार्किट, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकग।

उपर्योगिता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धी

जायदाद जिसका नं० एस०-12 है का 1/3 हिस्सा जो कि 66. 1/3 (कुल 200 वर्ग गज) कर्ग गज थोकफल के प्लाट पर बना हुआ है, राजौरी गार्डन, तातरपुर गांव, निल्ली राज्य, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व / गली

पश्चिम / रोड

उत्तर : जायदाद नं० एस०-11

दक्षिण : जायदाद नं० एस०-12 का बचा 2/3 हिस्सा

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

तारीख : 24 अक्टूबर 1978

मोद्दर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/10-78/289—
ग्रतः मुझे ढी० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी संख्या बी०-41 है तथा जो शंकर गाँड़न, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1-3-1978

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिकर के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति—

1. श्रीमती उमा बतरा, पत्नी श्री यश पाल बतरा, निवासी सी० स्ट्रीट, 7-ई (एम० आई० जी०) फ्लैट, सी०-८ राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली इनके जनरल अटारनी श्री इन्द्र प्रकाश बतरा के द्वारा (अन्तरक)

2. श्री अर्जीत सिंह महाजन, सुपुत्र श्री लाल सिंह महाजन, निवासी 126, नार्थ विजय नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० बी०-41 है और क्षेत्रफल 397.2/9 है तथा जोकि किला नं० 4, रैक्ट नं० 9 का हिस्सा है, निवासी मान्यता प्राप्त कालीनी शंकर गाँड़न, पौसांगीपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकर से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० बी०-42

पश्चिम : प्लाट नं० बी०-40

उत्तर : 15' चौड़ा रास्ता

दक्षिण : 36' चौड़ी सड़क

डी० पी० गोयल

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 24 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० 666, यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 14/13-1-13 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रन्थि के अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में जामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या वही आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

1. श्री वि० लक्ष्मीकान्तम (2) वि० वेकटारमण वि कामसास्त्री सुन्दरमनयम, काकिनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री पि० पुष्प्या (2) पि० सीताराममूर्ति (3) सुन्दरमनयम (4) पि० भास्करा वेकटा लक्ष्मी नरसिंहाराव (5) पि० नूकराजु सत्यनारायण मूर्ति, काकिनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में रोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या ससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्राषित है, वही अर्थ हीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 495/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख 20-4-1978

मोहर :

प्रेस आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

काकीनाडा, दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 723—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 166/2 एण्ड 3/3 है, जो तिरुवूरु में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ट अधिकारी के कार्यालय, तिरुवैरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

(1) श्री एम० राम कृष्णणयग्ना (1) एम० बेकटाकोटेस्वरा
(3) एम० जनादानराव (4) एम० उत्तर प्रसाद (4) एम० देवतावर प्रसाद (6) एम० बेकटारामराव। लंकापल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री के० नरसिंहराव तिरुबूरु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुबूरु रिजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 28-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 169/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II; दिल्ली-1

तारीख : 20-7-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज,

काकीनाडा, दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० 724—यतः मुझे एन० के, नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर एस० 615 एण्ड 616 है, जो बोदनपत्री में स्थित है (और इससे उत्तरावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूजिवीडु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—336GT/78

(1) श्री के० सीतारावयद (2) के० सत्यनारायण
(3) के० राधालक्ष्मी (7) एन० बेदी उरोजिनि इधरा।
(अन्तरक)

(2) श्री विजु वेंकटा विस्वेस्वर सूर्यनारायण नूजिवीडु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रतुक्त घट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

नूजिवीड़ी रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 266/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज काकीनाडा

तारीख : 31-7-1978।

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस० ——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० 725—यतः मुझे एन० के नागरराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी आरा० एस० सं० 625 है, जो विस्मानापेटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, नूजिबीड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के सिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचत में सुविधा के सिए और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी बन या इन्हीं आरतीय सहायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारियों, प्रवर्त्ति:—

(1) श्रीमती के० वेंकटा, विस्मानापेटा (अन्तरक)
(2) श्री यसोदा सत्यनारायण विस्मानापेटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजिबीड़ रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 225/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति

एन० के० नागरराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 31-7-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई• टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 जुलाई 1978

सं० 726—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8/317 ए० है, जो गुडिवाडा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को
जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मम, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्द्धतः:—

- (1) श्री अलवा चक्र धरराव (2) ए गोपाला कृष्णराव
(3) एं वेंकटाराव (4) ए साई कुमार (5) ए० साई प्रसाद
(6) ए० साई० कृष्ण प्रसाद विजयवाडा। (अन्तरक)
2. श्री जिं सत्यनारायण तात्क्षणाडेम सेट (अन्तरिती)
(3) (1) श्री एम० वीरबद्राराव (2) डि० राधाकृष्ण-
मूर्ति गुडिवाडा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में कि जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
माणित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री प्रधिकारी से पालिक अंत 15-2-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 392/78 में निर्गमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सकाम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 31-7-1978

मोहर :

पृष्ठ प्राप्ति ३१७ एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 768—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14/82 से 85 है, जो गुडिवाडा में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक का से कथित रही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, म उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रथमतः :—

(1) श्री सिंह एच० रत्नागिरिबाबू (2) सिंह एम० बालाजी पामरु (अन्तरक)

(2) श्रीमती वि० लक्ष्मी गुडिवाडा (अन्तरिती)

(3) (1) श्री जिं सुब्बाराव (2) जि मंगाराव (3) डिं रामाकोट्या (4) पि० कृष्णाय्या गुडिवाडा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री प्राधिकारी से पांचिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 355/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ती।

एन० के० नागराजन,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 24-8-1978

मोहर:

प्रखण्ड प्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 769—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण डै कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6/4,4A,5,493 और 493 ए० है, जो भसुला मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भसुला मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिस्के भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन् अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों पर्यातः—

(1) श्री महेश हुसैन गुट्टूर (अन्तरक)
 (2) श्री सैदप इसमायलक मसुला (अन्तरिती)
 (3) श्री टी० कौटेस्वरराव (2) एम० लक्ष्मीनरसम्मा
 (3) एस० जानकिरामव्या (4) पि० नागेस्वरराव (5) के० सुन्दाराव (6) पि० यगचारी (7) सि० एच० श्रीरामलु
 (8) पि० चन्द्रशंकरराव (9) कुमार (10) एंन वि० सुन्दाराव मसुका (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अपक्रितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपक्रितयों मे० से किसी अपक्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य अपक्रित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मसुला रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अत 15-2-1978 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 843/78 मे० निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन,
 समक्ष प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 24-8-1978

मोहर :

प्ररूप ग्राही० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 24 अगस्त 1978

सं० 770—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/143 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 10-2-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (प्रस्तुतकों) और (प्रतिरिती)
(प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तुतियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, ग्रन्थात् :—

1. (1) श्री एन० गंगाधरा करन चन्द्रगांधी (2) जि०
सिवराम प्रसाद, (3) जि० अनंत किंशोर, (4) जि०
सुरेष कुमार, (5) महमद गालेब विजयवाडा।
(अन्तरक)

2. (1) श्री एन० वेंकटारात्नम्, (2) एन० वेंकटा
श्रीवेणु गोपाला जनार्धनाराय विजयवाडा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंन के संबंध में कोई भी आक्षेपः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रन्थोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रचि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-2-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 874/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 24-8-78

मोहर :

प्रूप बाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 771—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 31 है, जो चट्टाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नूजवीड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

1. श्री पि० पिच्चव्याराव तरिगोप्ता (अन्तरक)

2. श्री पि० वेंकटाराव विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या सर्वसम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रंशोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभा-
षित ह, वही प्रयोग जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

नूजवीड रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-2-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 213/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य अस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

तारीख : 24-8-78

मोहर :

प्ररूप ग्राइंडौ एन० एस०—

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, काकीनाडा
काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 772—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269व
के ग्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से ग्रधिक है।

और जिसकी सं० 31 है, जो चट्टाई में स्थित है, (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी
के कार्यालय, नूजवीड में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य प्रतिशत से
ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये क्षण पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से कुई किसी प्राय की वाक्त उक्त ग्रन्त ग्रधि-
नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी इन या ग्रन्त ग्रास्तियों
को, जिन्हें मारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर
ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये।

यतः प्रब, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. श्री एस० वेंकटाराव कलतुरु
(अन्तरक)
2. श्री पि० सरथनारायण
(ग्रन्तरिती)
विजयवाडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर नूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी ग्रन्त व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिये जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिगत:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के ग्रायाय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही ग्रन्त होंगा, जो उस ग्रायाय
में लिया गया है।

अनुसूची

नूजवीड़ रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पौर्विक अंत 15-2-78 में
पंजीकृत वस्तावेज नं० 214/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सभम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेज, काकीनाडा

तारीख: 24-8-78

मोहर:

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आरा

269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 773—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 30 है, जो चट्टाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूजवीडु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

4-336GI/78

1. श्रीमती इन्दुरंगठी लक्ष्मीबेंकटयम्मा चट्टाई। (अन्तरक)

2. श्रीमती पि० सत्यवती विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजवीडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 215/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 24-8-78

मोहर :

प्रख्यात श्री ई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकीनाडा,

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 774—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 101 है, जो चट्टाई में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टी
अधिकारी के कार्यालय, नूजवीडु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० वेंकटाकृष्णराव पिठापुरम (अन्तरक)
2. श्री पि० सत्यशारायण ताल्लमूडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्लिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजवीडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 15-2-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 210/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख : 24-8-78

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 775—पतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 102 है, जो चट्टाई में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नूजवीडु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा आयकर अधिनियम के अन्तरित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० वेंकटाकृष्ण राव पिठापुरम (अन्तरक)
2. श्री पि० सत्यनारायण ताल्लामुडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

नूजवीडु रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 15-2-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 211/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 24-8-78

मोहर:

प्रालृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 776—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 101 है, जो चट्टाई मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूजीडु मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधार्त:—

1. श्री राव० प्रकाशराव उपाडा कोतपल्ली (अन्तरक)

2. श्री पि० सत्यनारायण तालामूडी (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याबाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तस्वीरियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधार्य 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस प्रधार्य में दिया गया है।

अनुसूची

नूजीडु रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज न० 212/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 24-8-78

मीहर:

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त, 1978

सं० 777— यतः मुझे एन० के० नागराजन,
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 11-32-26 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकर अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-78को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा० की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री जि० अप्पारेहु विजयवाडा (अन्तरक)

2. श्रीमती के० रामादेवी विजयवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।व्यष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अत 28-2-78 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 662/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 24-8-78

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री एम० राममृती
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री सि० एम० गोपालद्वाण तनुकु
(अन्तरिती)

269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 778—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 33-48 है, जो तनुकु में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय तनुकु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

तनुकु रजिस्ट्री अधिकारी से पाँचिक अंत 15-2-78 में
पंजीकृत वस्तावेज नं० 205/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 24-8-78
भोहर

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 779—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'रक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 33-48 है, जो तनुकु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तनुकु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

तनुकु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 248/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

1. श्री एम० राममूर्ती तनुकु (अन्तरक)

2. सि० एच० गोपालकृष्ण तनुकु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा, अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

तारीख : 24-8-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 780—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15-5-3 है, जो बैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, पौरथा

अनुसूची

बैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पौरक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 646/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

तारीख : 24-8-78

मोहर :

1. श्रीमती जि० सिव कुमारी तोटकावल्लर (अन्तरक)

2. श्रीमती टि० राजेश्वरी सिसाखपटनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अधिकारी, पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, काकीनाडा
 काकीनाडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० 793—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० 2-9-10 है, जो विजयनगरम में स्थित है
 (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 27-2-78
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-336GI/78

1. श्रीमती पि० वीरराजू राजहमन्डी (अन्तरक)
 2. श्रीमती डि० वसुमती विजयनगरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

एप्लीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

विजयनगरम, रजिस्ट्री प्राधिकारी से पांचिक अंत 28-2-78
 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 676/78 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
 सशम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 18-9-78

मोहर :

प्रलूप ग्राइंड टी० एन० एम०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० 794—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 2-12-1 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और
इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से किया हो गया है :—

1. श्रीमती पि० राधा, काकीनाडा (अन्तरक)
2. श्रीमती वै० सुभद्रदेवी, काकीनाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिगतः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 15-2-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 762/78 में नियमित अनुसूची संपत्ति।

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 18-9-78
मोहर :

प्रत। श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों प्रर्थातः—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 सितम्बर 1978

सं० 795—यतः मुझे एन० के० नागराजन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 28-4-66 है, जो राजमन्डी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या जिसी घन या अन्य ग्रासितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपलब्ध
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अकुनुरी सत्यनारायण राव, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री विं वेंकटाराजु राजमन्डी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-2-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 563/78 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा।

तारीख : 20-9-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश श्र० आय०ए०सी०/अर्जन/73(64)/78-79—यतः
मुझे के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 67, 68 और गोडोन नं० 9, 10 प्लाट
नं० 58 पर निर्मित, तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और
इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, इपासे में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थापु—

- दी नागपुर जनरल मर्केट्स को-ऑप० भार्केट कम हाउसिंग
सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तफै, सचिव, श्री
डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर (अन्तरक)
- श्री अब्दुल मनान पिता अब्दुल करीम, भालदारपुरी,
नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यादित्यों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 67, 68, और गोडोन नं० 9, 10, प्लाट नं०
58 पर निर्मित, बांड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर।

तारीख : 20-7-78

मोहर :

प्र रूप ग्राई० डी० एन० एस०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(66)/78-79—यतः

मुझे के० एम० चावडा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान नं० 108 और 109, प्लाट नं० 58 पर
निर्मित है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-78पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तुविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः, प्रब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269ग के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—1. दी नागपुर जनरल मार्चेंट्स को-ऑप० मार्केट कम हाउसिंग
सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सचिव,
श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर,
(अन्तरक)2. श्री शैमन हुसैन पिता मुल्ला गुलाम अली, सेंट्रल एवेन्यु
नागपुर (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।दुकान नं० 108 और 109 प्लाट नं० 58 पर निर्मित बाड
नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नागपुर ।

तारीख : 20-7-78

पोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई, 1978

निर्देश क्र० आय०ए० सी/अर्जन/73(67)/78-79—यतः
मुझे श्री के० एम० चावडा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 80, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्राधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय पा किसी धन पा अथवा आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

- दि नागपुर मर्चेंट्स को-आप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड गांधीबाग, नागपुर तक सचिव श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर (अन्तरक)
- श्रीमती शांताबाई श्रीमप्रकाश गूप्ता, इतवारी, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 80 प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 20 जुलाई, 1978
मोहर:

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जूलाई 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी/अर्जन/73(68)/78-79—यतः
मूझे के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 35 और गौडोन नं० 11, प्लाट
नं० 58 पर निर्मित है तथा जो वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर
में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
8-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी नागपुर, जनरल मर्चेट्स को-ऑप० मार्केट कम
हाउसिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फ़,
सचिव, श्री डॉ० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर
(अन्तरक)

2. श्री मनीकलाल मातीलाल मूथा, 261, न्यु रामदास पेठ,
नागपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 35 और गोडोन नं० 11, प्लाट नं० 58 पर निर्मित
वार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर ।

के० एम० चावडा,
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज नागपुर

तारीख : 20 जूलाई, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जूलाई, 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(69)/78-79—
यतः मूल्य के० एम० चावडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, प्लाट मं० 58 पर निर्मित, वार्ड
नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसमें
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-आप० मार्केट कम हाउसिंग
सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फ सचिव, श्री डी०
एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर (अन्तरक)

2. श्री शंबीर हुसैन पिता मुला अकबरश्ली, इतवारी,
नागपुर (अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइक्षताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1 प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 गांधीबाग
नागपुर।

के० एम० चावडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20 जूलाई, 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जूलाई 1978

निर्देश क्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73/70/78-79—

यतः मुझे को० एम० चावडा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 15, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे भूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यत्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित गास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्नी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—336GT/78

1. दी नागपुर जनरल मर्केंट्स को-ऑप० मार्केट कम हाउसिंग सोसायटी लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फे, सचिव, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु, नागपुर। (अन्तरक)

2. श्री अमनुलालाखान असादुल्लाखान, बंगाली पंजा, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्राह्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्राह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 15, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, वार्ड नं० 30 गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर।

तारीख : 20-7-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश श्र० आय० ए० सी०/अर्जन/73(71)/78-79—
यतः मूँझे के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 76, है प्लाट नं० 58 पर निर्मित,
वार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग नागपुर में स्थित है (और इससे
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 8-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-आप० मार्केट कम हाउसिंग
सोसायटी लि० गांधीबाग नागपुर तक सचिव श्री डी०
एल मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर।
(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप देवजी कोठारी सिताबर्डी नागपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 76, प्लाट नं० 58 पर निर्मित वार्ड नं०
30, गांधीबाग नागपुर।

के० एम० चावडा,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नागपुर।

दिनांक : 20 जुलाई 1978

मोहर :

प्रध्यं प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज नागपुर

नागपुर, दिनांक 20 जुलाई 1978

निर्देश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/73(72)/78—79—

अतः मुझे के० एम० चावडा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 38, प्लाट नं० 58 पर निर्मित बार्ड नं० 30 है तथा जो गांधीबाग, नागपुर में स्थित है (और इसे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-2-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पर या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) पर उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ष की उपस्थारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धात् ।—

1. दी नागपुर जनरल मर्चेंट्स को-ऑप० मार्केट कम हाउ-सिंग सोसायटी, लि० गांधीबाग, नागपुर, तर्फ़े, सचि, श्री डी० एल० मुलतानी, सेंट्रल एवेन्यु नागपुर। (अन्तरिक्ती)

2. श्री मदनलाल जयगोपाल खत्ती, 749, मदनमहल, जलाल-पूरा गडर लाईन, नागपुर (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजनन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 38, प्लाट नं० 58 पर निर्मित, बार्ड नं० 30, गांधीबाग, नागपुर।

के० एम० चावडा,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज नागपुर,

तारीख : 20 जुलाई, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1978

सं० आय० ए० सी०/अर्जन/76/78-79—अतः मुझे के० एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18, वार्ड नं० 9, एरीया 1839-24, बांधा एरीया 515.488, सरदार पटेल टिबर मार्केट है तथा जो नागपुर में स्थित है (ओर इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन तारीख 3 फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातु:—

1. श्री भावनजी लक्ष्याभाई चव्हान, कॉम्प्रेस नापुगर, नागपुर। (अन्तरक)
2. श्रीमति कुलबंत कौर, तिरलोक सिंग खंडुजा, परासिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8, वार्ड नं० 9, एरीया 1839.42 म2, बांधा एरीया, 515.488 म2, सरदार पटेल टिबर मार्केट, नागपुर।

के० एम० चावडा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 1-9-1978

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर
नागपुर, दिनांक 2 सितम्बर 1978

सं० आय० ए० सी०/अर्जन/77/78-79—श्रतः मुझे के०
एम० चावडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अन्तर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एन० आय० टी० प्लॉट नं० 4 स्कीम नं० 111,
गरोबा मैदान डिल्हीजन नं० 2, सर्कल नं० 5/10, वार्ड नं०
24/12, है तथा जो नागपुर में स्थित है (और इसे उपलब्ध
अनुसूची में और पूरी रूप से अण्ठित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 9-2-78
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- श्री संतोषकुमार पैकुजी ठाकरे,
- श्री गोविंदराव नारायण घवधवे,
- श्री जयराम मोरबाजी शेंडे,
- श्री प्रभाकर जैराम शेंडे, सभी रहने वाले नागपुर ।
(अन्तरक)

1. श्री रामचंद्र एकनाथजी ढोबले, सर्कल नं० 11/16,
गरोबा मैदान, नागपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायंवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी याज्ञेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एन० आय० टी० प्लॉट नं० 4, मिडल प्रासीट एक्सीस्ट बस्टी,
स्कीम नं० 111, गरोबा मैदान, डिल्हीजन नं० 2, सर्कल नं०
5/10, वार्ड नं० 24/12, नागपुर ।

के० एम० चावडा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नागपुर

प्रतः प्रत, उक्त पवित्रित की धारा 269-व के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात् ।—

दिनांक : 2-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, नागपुर
 नागपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1978

सं० आय० ए० सी०/अर्जन/81/78—79— अतः मुझे
 के० एम० चावडा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 लालन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० मकान नं० 917 का पूरब भाग, वार्ड नं० 31,
 स० नं० 8/13, है तथा जो टिपरे गल्ली, इतवारी, नागपुर में स्थित
 है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
 (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9
 फरवरी, 1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वह
 गतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
 (या अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 शल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वापत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक
 के बायित्व में कमी करने पा उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या फिसी वन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,
 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
 या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री विष्णु महादेव कुलकर्णी, एडवोकेट, सिव्हील लाईंस
 गवर्नमेंट प्रेस के पास, नागपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमति सुमन प्रभाकर राव देशमुख, टिपरे गल्ली, इतवारी,
 नागपुर। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
 कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों दे
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 निम्न अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 तिवित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीत पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 917 का पूरब का भाग जो वार्ड नं० 31, तथा
 सर्कल नं० 8/13 टिपरे गल्ली इतवारी नागपुर में स्थित है। मकान
 का कुछ भाग 2 मंजली तथा कुछ भाग 3 मंजली है।

के० एम० चावडा,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, नागपुर।

दिनांक : 20-9-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1978

निर्वेश सं० 411/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे, किशोर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 10 है तथा जो मन्डेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन तारीख 24-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरेत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से ऐसे दूसरमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथम आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री उदित कुमार दासगुप्त, 10 मन्डेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मेरो अरोमिल को-अपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि०, 57 सि० कांकुलियर रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ता-धरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धड़ाय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप धड़ाय में दिया गया है।

अमुसूची

करोब 14 कट्टा 12 छांटांक 12 स्की० फुट जमीन साथ स्ट्राकचरस जो 10 मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता पर प्रब स्थित और उसका विभक्त अंश है। वो रजिस्ट्रार आफ एसुरेसेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० I 1004/1978 के अनुसार है।

किशोर सेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता।

तारीख : 24-7-1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई, 1978

निर्देश सं० 411/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे
 किशोर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 10 है तथा जो मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित
 है (ग्रीष्म सेतुवाह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-5-1978
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री ग्रेटिन कुमार दासगुप्त सुनील कुमार दासगुप्त रवीद्र
 कुमार दासगुप्त, 10 मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. मे० अरोमिल कोअपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
 57 सिं० कांकुलियां रोड कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

करीब 30. 56 कट्टा जमिन साथ स्ट्राक्वारस जो 10 मन्डे-
 मिल गार्डेन्स, कलकत्ता पर अव स्थित और जो रजिस्ट्रार आफ०
 एसुरेन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० I 1004, I 1005
 और I 1006/1978 का अनुसार है (सब एक साथ लिया गया) ।

किशोर सेन,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन-III रेज, कलकत्ता-16 ।

दिनांक : 24-7-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 अगस्त 1978

निर्देश सं० एस० आई० 453/270/टी० आर०/सी०-256/
कल०- आई०/77-78—ग्रत: मुझे आई० मि० एस० जुनेजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5 सि�०, है तथा जो ओरियेंट रोड कलकत्ता-17
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 17-2-78

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तीयों, अर्थात्:—

7-336GI/78

1. श्री सुदर्शन मेहता, 5 सिं०, ओरियेंट रोड कलकत्ता-17
(अन्तरक)

2. (1) समरेंद्र नाथ घटक, (2) सौरेंद्र नाथ घटक 5 ए,
ओरियेंट रोड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तीयों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहरताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के प्रत्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 सिं० ओरियेंट रोड कलकत्ता-17 में अब स्थित, 4 कट्टा,
3 छटांक 1 वर्ग फिट जमीन पर अबस्थित तिन तल्ली मकान जो
1978 साल का I-867डीड अनुसार रजिस्ट्रार आफ एन्सुयोरेंस में
रजिस्ट्र हुआ।

आई० मि० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I कलकत्ता।

दिनांक : 4-8-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज-कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए०सी० 15/अर/II/कल०/78-79—अतः मुझे आई० मि० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 756, बल्कि पि०, है तथा जो निः अलिपुर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब, रजिस्ट्रार अलिपुर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

22-2-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यावरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिक्षीय (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और 'था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री निपेंद्र नाथ सिंहा 756, बल्कि पि०, निः अलिपुर। (अन्तरक)

2. श्री अविन्दु कुमार पाल 756, बल्कि पि० निः अलिपुर। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यशाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन का माप 2 काठा 5 लंडांक 22 स्के० फीट और मकान नं० 756, बल्कि पि० निः अलिपुर।

आई० मि० एस० जुनेजा,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन्त रेंज-II, कलकत्ता-16

दिनांक । 25-9-1978

मोहर :

प्रकृत प्राई० टी० एन० एस० —————
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० एस एल 456/टी० ग्रार०-269/सी०-253/कलकत्ता-
1/77-78—ग्रतः मुझे सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है तथा जो नवाब आबदुर रहमान स्ट्रीट,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी ब्रन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, ग्रन्ति:—

1. शेख सवकत आलि, सराफत हुसेन एन्ड जराफत हुसेन
2 और 3 माइनर, पिता शेख सवकत आलि (अन्तरक)
2. श्राव्य खनम, मह० फजल कारम, मह० एनायेत करिम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रान्जेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 8 छटांक 7 स्की० फुट जमीन सम्पत्ति जो 20
आबदुर रहमान स्ट्रीट कलकत्ता पर स्थित है।

सी० एन० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज कलकत्ता,

दिनांक । 25-9-1978

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 25 सितम्बर 1978

निर्देश सं० एस० एल० 457/टी० आर०-250/सी०-235/
केल-1/77-78 :—अतः मुझे, सी० एन० वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है तथा जो इलियट रोड, कलकत्ता में स्थित
है (प्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 1) के अधीन दिनांक 6-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित
(प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक चटार्जी (अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वती गूप्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचारणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्टा 12 छाटांक जर्मीन साथ उस पर बनाया टिन-
शैड स्ट्राक्चर जो 47 इलियट रोड, कलकत्ता पर अब स्थित है।

सी० एन० वास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता ।

दिनांक : 25-9-78

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 25 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० एस एल 458/ठी आर०-253/सी-239/कल-1/77—78—अतः, मुझे सी० एन० दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7 है तथा जो मदन बराल लेन कल०, स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-2-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्।—

1. श्रीमति कमला बाला पालोधि, दुलसीदास पालोधि,
मन्जुरी कुमार पालोधि स्वर्ण कुमार पालोधि, ससधर पालोधि
(अन्तरक)

2. सुजीत कुमार बनिक, नारायण चन्द्र बनिक, सुरेन्द्र चन्द्र
बनिक (अन्तरिती)

3 योगेश चन्द्र बनार्जी मनजश्री दत्त

(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

करीब 1 कट्टा 3 लटांक 20 स्कू० फुट जमीन जो 7, मदन
बराल लेन, कलकत्ता पर श्रब स्थित।

सी० एन० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, कलकत्ता-16

दिनांक: 25-9-1978

मोहरः

प्रकृपा आई० टी० एन० एस०-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 21 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० एस० एम० नं० 463/टी० आर० 268/सी०-

252/कल०/-77-78—अतः मुझे सी० एन० दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व०
से अधिक है,
और जिसकी सं० 31 है तथा जो थियेटर रोड कलकत्ता, में स्थित है
(और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नर्मेट प्रेस नार्थ कल० में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (198 का 16) के अधीन, तारीख
23-2-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण जिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. (1) राम रतन सानथालिचा, (2) नवरां प्रसाद सान-
थालिया, (3) मासनलाल सानथालिया, (4) सन्तकुमार सानथा-
लिया (5) पावन कुमार सानथालिचा
(अन्तरक)

2. श्री दिं दिजु टी० क० (इन्डिया) प्रा० लि० कनसुलेट
जोनारेल आफ दि यूनियन आफ सोवियंत, सोशालिस्ट रिपब्लिक
इन कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

उपर्युक्त अवित्य :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही प्रथम होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

3 नं० थियेटर रोड कलकत्ता में अन स्थित 1 बिघा, 18
कट्टा 3-1/2 छटांक, जमिन पर आंशिक एक और आरक्षिक दो तला
माकन जो 23-2-78 तारीख में रजिस्ट्रीकृत आफ एश्युरेंस कल०
में रजिस्ट्रीकृत हुआ ।

सी० एन० दास

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

दिनांक: 21-10-78

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 28 अक्टूबर, 1978

निर्देश स० ए० सी०-३२/अर्जन-रे०IV/कल०/७८—७९ :

अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी स० पि० 187 है तथा जो ब्लाक-ए, बागुर एवं न्यु में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन, तारीख 25-२-७८ को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपलाई (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण कान्त सूद (अन्तरक)
2. श्रीमति मंजुला भट्टाचार्या (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करने पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आन्दोलन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ हूँगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुस्त्री

पि० 187, ब्लाक-ए बागुर एजन्यु; पाना-लेक टाउन, कलकत्ता 5 कट्टा 3 स्कु० फिट जमीन तथा उस पर स्थित अंशतः दो मंजिला, अंशत तीन मंजिला मकान

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

दिनांक: 27-10-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1978

निदेश सं० 6/फरवरी/78—अतः मुझे ए० टी० गोविन्दम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० है, जो तनिचीयम ग्राम, निलको है तालुक में स्थित है (और इस उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बाड़िपट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तुप प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री एम० आर० एस० ए० ग्राहनलीयपन (अन्तरक)

2. श्री पी० कृष्णन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टदाता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

निलको है तालुका, तनिचीयम ग्राम सं० 222/4, 290/1 और 290/2 भूमि तीन एकड़ और 15 सेंटस

ए० टी० गोविन्दम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 1-7-78

मोहर:

पतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1978

निदेश सं० 7/फरवरी/78—अतः मुझे ए० टी० एन० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 166/1सी१ और 166/1सी२, है, जो तनिचयम गांव, निलकोराई तालुक में स्थित है (और इस उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाडी-पट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-336GI/78

- श्री एम० आर ऐस० ए० आर० बल्लीयन (अन्तरक)
- श्रीमति के मीनाक्षी अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिग्राह द्वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3. 22 एकड़ भूमि सं० 166/1सी१ और 166/1सी२—
निलकोराई है तालुक, तनिचयम गांव में।

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-1, मद्रास।

तारीख : 1-7-78

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1978

निदेश सं० 8/फरवरी/1978—यतः मुझे ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 166/3वी१ और 166/3वी२ है, जो तनिचियम गांव, निलकोटाई तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाड़ीपट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पृथक् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय धारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः—

1. श्री एम० आर० एस० ए० आर० एस० (अन्तरक)
वल्लीयपन
2. श्रीमति पदमाम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्यदी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निलकोटाई तालुक, तनिचियम गांव में 3.84 एकड़ भूमि सं० 166/3 वी१ 1 और 166/3 वी२ ।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास ।

दिनांक : 1-7-78

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1978

निदेश सं० 9/फरवरी/78—अतः मुझे ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सभाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 221/3 है, जो तनीचियम गांव, निलको तालुकट्टै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाढीपट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित उक्त प्रतिफल के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरित से ही किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षित में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त है:

1. श्री एम०आर०ए०आर० बल्लीयपन (अन्तरिती)

2. श्रीपी० सेतुराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि निसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोद्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीयरण:—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निलकोट्टै तालुक, तनीचियम गांव में 5.4 एकड़ भूमि है।

ए० टी० गोविन्दन,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज मद्रास।

दिनांक : 1-7-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जुलाई, 1978

निर्देश सं० ०० फरवरी/78—अतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39 और 40 है, जो बीच रोड, तुलुकुडि में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जाइन्ट सब रजिस्ट्रार तुलुकुडि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मदुरा कोट्स, मदुरे (अन्तरक)

2. टूटिकोरिन डेओसेसान असोसिएशन, टूटिकोरीन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की आवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की आवधि, जो भी आवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 एकड़ और 7.2 सेन्ट्स लेन्ड और बीलडीन्जस, सवुत बीच रोड, टूटिकोरीन टौन (TS. 1043 & 1099)

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 1 मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

दिनांक: 14-7-78

मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त 1978

नदेश सं० 29/फरवरी, 78—अतः मुझे ओ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जास्ती सं० 183 है, जो सबुत मासी स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जै० एस० आर०ओ०-1, मद्रास नारत मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अन्तरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

लैड श्रीर बोलडीन्जस, 183, सबुत मासी स्ट्रीट, मदुरै।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० एस० कुण्डमुरती और श्रादी। (अन्तरक)

2. श्री एम० वासुदेवन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम ने अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ओ० आनंदराम,
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास।

दिनांक : 28-8-78

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अप्रैल, 1978

नदेश सं० अर्जन/928/ज्ञांसी/77-78/550—ग्रतः मुझे
ग्राह० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधिक है

और जसकी सं० है तथा जो में
स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-2-78 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय ज्ञांसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह ठेकेदार पुत्र सांबन सिंह निवासी 79
केट ज्ञांसी । (अन्तरक)

2. श्रीमति खुरशीद खाइन स्त्री मो० महमूद निवासी बाहर
सैयद गेट ज्ञांसी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अधार्य 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बंगला नं० 79 केन्टमेन्ट ज्ञांसी 40000/-
में बेची गई ।

ग्राह० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज कानपुर,

दिनांक : 28-4-78

मोहर :

प्रस्तुता प्राप्ति ० टो ० एस ० एस ० - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापार 269 व (1) के प्रभीन सच्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर प्राप्तकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मई 1978

निदेश सं० अर्जन/924/कानपुर/77-78,1047—श्रतः मुक्ते,
ग्राम पी० भार्गव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

श्री जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्र प्रतिशत से अधिक है श्री और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्री अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त भवित्वनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

(ब) ऐसी किसी भाष्य या किसी बन या भन्य भास्तियों को जिसे भारतीय भाष्य-कर भवित्वियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त भवित्वियम्, या बन-कर भवित्वियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अन्वेषण, निम्ननिवित्त प्रवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति पुष्पा कुमारी जैन स्त्री विजय कुमार जैन व विजय कुमार जैन पुत्र भगवान दास, निवासी 188/64, किंदवर्ह नगर, कानपुर। (अन्तर्क)

2. श्री गंगाप्रसाद सचान पुत्र जगन्नाथ चतुर्भुज नरायन पुत्र गंगा प्रसाद सचान श्रीमति कमला देवी स्त्री गंगा प्रसाद सचान सभी निवासी ग्राम सुजापुर, भोगनीपुर, जिला कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए कायदावाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही वर्णन होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमस चंद्री

अचल सम्पत्ति मकान नं० 128/64/एच-2, किंदवर्हि नगर,
कानपुर 55000/- में बैची गई ।

आर० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी

तिरांक : ३१-५-७८

मोहरः

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जून 1978

निवेश सं० 1743-ए/अर्जन/सहायनपुर/77-78/1569—
अतः, मुझे आरा० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहला 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-2-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधितयों अर्थात् :—

1. श्रीमति शील कौर पत्नी स्वर्गीय श्री सेवाराम, निं० स्वतंत्र नगरी, जिला सहायनपुर। (अन्तरक)

2. श्री ग्रोम प्रकाश छावड़ा पुत्र खुशीराम छावड़ा निं० बाजार दीना नाथ, जिला सहायनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिपूर्ण अवधियां नहीं हैं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग नं० 6/86 स्वतंत्र, नगरी, जिला सहायनपुर 60,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गई।

प्रारा० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-6-1978

मोहर :

प्र० र० आई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1978

निदेश सं० 1717-ए/अर्जन/मेरठ/77-78/2646—ग्रतः, मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

9—336GI/78

1. डा० नानक चन्द्र कन्सल पुल नारायण दास, जनरल एटार्नी प्रेम चन्द्र कन्सल बेगम बाग, मेरठ। (अन्तरेक)

2. श्रीमति इन्द्रा सिंधल पत्नी लक्ष्मी नारायण सिंधल, निं० 853 सोती गंज, मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्याय होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उक्त सम्पत्ति प्लाट मध्य आउन्डी-बाल नं० 1110/4 स्थित बेगम बाग, मेरठ 50,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गई।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)
रेंज रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-8-78
मोहर :

प्रृष्ठ प्रार्द्ध ० टी० एन० एस०————

1. श्री मति एम० जमीला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
26९-व (1) के अधीन सूचना2. श्री एन० एम० अबु (टी० एम० राजा के लिए)
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 21 अगस्त 1978

निदेश सं० एल० सी० 227/78-79—अनः, मुझे, पी० श्र००
जोर्ज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पालघाट में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालघाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख 15-2-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

10 Cents of land with buildings as per Schedule attached to doc. No. 391/78 dated 15-2-1978.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

पी० श्र०० जोर्ज
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26९-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

दिनांक: 21-8-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16

कोचीन-16 दिनांक 22 अगस्त 1978

निदेश सं० एल० सी० 230/78-79—अतः मुझे पी० ओ० जोर्ज

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कसबा विलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोषिकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री ए० वी० मेनोन (अन्तरक)

2. श्री वी० कुन्जबदूला (2) इमाई (3) अब्दुल रहिमान (4) डा० के० को० काकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

3/4th might over land and buildings as per Schedule attached to doc. No. 161/78 of SRO, Kozhikode.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पी० ओ० जोर्ज
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

इति, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

दिनांक: 22-8 1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 12 जून 1978

निर्देश सं० ए०-१८६/कि० प्रार० जे०/७८—७९—अतः
मुझे एगबर्ट सिंग

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14779/90 अब जल 14780/91 तालुक है तथा जो परगना कुसिया स्कूल, मौजा बनामाली करिमगन्ज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करिमगन्ज में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-2-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त प्रक्रियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. महमद सिराजुल हक औधुरी, स्वारंगीय अबदुल हक औधरी का पुत्र, बनामाली रोड, करिमगन्ज (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रनूरुपा दत्ता, स्वारंगीय मोनमाया नाथ दत्ता का पत्नी, रमानी रोड करिमगन्ज, काठाङ्ग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमिन के परिमाप 2-500 वर्ग फुट और मकान का परिमाप 720 वर्ग फुट जो कि स्टेसनरी, करिमगन्ज, जिला काठाङ्ग, से आसाम में स्थित है।

एगबर्ट सिंग
संधर्म प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

दिनांक : 12-6-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज शिलांग

शिलांग दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० 197/एस० एच० आई०/78—79/2595-96-

अतः युक्ते शान्तनु मजुमदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पट्टा नं० 19 और फ्लेट नं० 34 है तथा जो श्रोकलैड शिलांग मेघालय में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाइटिंग के रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरके कायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशि० (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरीदास हजारिका, श्रोकलैड शिलांग (मेघालय) (अन्तरक)

2. श्री डॉ जे० सी० मिश्र भगवती जी० ई० होसपिटल, शिलांग अधीन बोनाई गांव पेट्रो केमिकल पो० बोनाई गांव जि० गोआलपारा (अन्तरिती)

आदमी जिनके अधिकार में सम्पत्ती है :

3. 1. श्री हितेन शर्मा, यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया शिलांग शाखा।
2. श्री एन० जी० चैटर्जी के० आफ श्री हरी दास हाजारिका, श्रोकलैड, शिलांग।
3. श्री हरिदास हजारिका, श्रोकलैड, शिलांग।
4. नेशनल सेमपुल सर्के, श्रोकलैड, शिलांग।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक नहीं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रन्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एक्टीवरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माफ 4778 स्क्वायर फीट जो असाम टाइप घर की तरह है और दो तल्ला मोहल्ला है 1200 स्क्वायर फीट में ओकलैड, शिलांग, मेघालय में स्थित है।

शान्तनु मजुमरदा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज शिलांग

तारीख : 27-10-1978.

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 9th October 1978

No. A. 35017/1/77-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 17th Jan., 1978 the services of Shri N. Viswanathan Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala, presently working as Accounts Officer on deputation basis in the Commission's Office are replaced at the disposal of Accountant General Kerala, Trivandrum with effect from the forenoon of 12th October, 1978.

Shri N. Viswanathan, has been granted 50 days earned leave with effect from 12-10-78 to 30-11-78 (both days inclusive). On the expiry of his leave Shri N. Viswanathan will report to the Accountant General, Kerala, Trivandrum.

S. BALACHANDRAN

Under Secy. (A)

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th October 1978

No. P/23-Admn. I.—Consequent on his having been selected for appointment as Under Secretary in the Rashtriya Barh Ayog, Department of Irrigation, Ministry of Agriculture & Irrigation, Shri T. D. Joshi, an officer of Grade I of CSS, has been relieved of his charge in the office of Union Public Service Commission w.e.f. 16-10-1978 (F.N.).

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th October 1978

No. A-31013/2/77-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Lala Prashad, Officiating Director, CFPB in CBI as Director, CFPB, in a substantive capacity with effect from 1-2-1977 (F.N.).

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E) C.B.I.

New Delhi, the 30th October 1978

No. NH. 10/65 Admn. V.—On his being selected for deputation to Indian Oil Corporation Ltd., New Delhi, as Senior

Vigilance Officer, Shri M. L. Gupta relinquished charge of the office of the Dy. Supdt. of Police in C.B.I. on the forenoon of 19th October, 1978.

No. A-19056/19/78-Ad. V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., S.P.E. hereby promotes Shri K. C. Veeraraghavan, Inspector of Police, C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police in the C.B.I., S.P.E. with effect from the forenoon of 16-10-78 in a temporary capacity until further orders.

RIPDAMAN SINGH
Administrative Officer (A)

C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 28th October 1978

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 7-10-1978 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-49/78-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri Ashok Kumar Suri, an IPS officer of J&K Cadre as Commandant in the CRP Force.

2. Shri Suri took over charge of the post of Commandant 40th Bn. CRPF on the forenoon of 3rd October, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461001, the 17th October 1978

No. PF 7(36)/5641.—Further to this office notification No. 7(36)3244 dated 15-7-78 Shri S. T. Shirsat is allowed to continue to officiate in the post of Fire Officer on an *ad-hoc* basis upto 31-12-78 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 26th October 1978

No. 1435-CA. 1/112-78.—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders :

Nos. & name of the Audit Officers (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO (C)	Date of posting as offg. A. O. (Commr.)
1	2	3	4
S/Shri			
1. O. P. Gupta	MAB & Ex-officio DCA, Dehradun	A. G-II, Bihar, Patna	28-8-78 FN
2. R. R. Deshmukh	Director of Audit (Food)	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	29-8-78 FN
3. R. K. Jain	AG-II, Madhya Pradesh, Gwalior	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	24-8-78 FN
4. G. L. Baluni	MAB & Ex-officio DCA, Dehradun	MAB & Ex-officio DCA, Dehradun	2-8-78 FN
5. Krishan Kumar Suri	C. A. G's office, New Delhi	A. G. Haryana, Chandigarh	31-8-78 FN
6. Barid Baran Mitra	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	7-8-78 FN
7. N. V. Tirumala Rao	A. G., Orissa, Bhubaneswar	A. G., Orissa Bhubaneswar	5-8-78 AN
8. Dwarika Prakash Gupta-I	A. G., Rajasthan, Jaipur	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	28-8-78 FN

(1)	(2)	(3)	(4)
9. M. V. S. Parthasarathy	A. G., Orissa, Bhubaneswar	A. G., Orissa, Bhubaneswar	5-8-78 AN
10. Ikram Hussain Naqvi	A. G., Rajasthan, Jaipur	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	28-8-78 FN
11. Dev Prakash Gupta	—Do—	—Do—	28-8-78 FN
12. A. Raghavan	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	2-8-78 FN
13. Sarni Giri	A. G., Rajasthan, Jaipur	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	28-8-78 FN

S. D. BHATTACHARYA,
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA
Cuttack, the 23rd October 1978

No. Admn. 1-29(Con)-2902. (12).—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the cadre of Accounts Officer w.e.f. the dates noted against each :—

1. Sri S. S. Misra—1-9-76.
2. Sri J. K. Murty—4-5-77.
3. Sri S. R. Dasgupta—1-4-78.
4. Sri R. K. Misra—1-8-78.

K. P. VENKATESWARAN
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 13th October 1978

No. A-19018/362/78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Dasgupta, an Officer of Indian Economic Service and under Secretary, Ministry of Defence, as Director (Gr. II) (EI) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 21st September, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri S. K. Dasgupta assumed charge as Director (Gr. II) (EI) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 21st September, 1978.

The 17th October 1978

No. A-19018/354/78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shrimati Sarayu Aiyengar, a Gr. III Officer of IES and Research Officer in the Office of Economic Adviser, Department of Industrial Development, New Delhi as Deputy Director (EI) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 23rd August, 1978, until further orders.

2. Consequent upon her appointment, Shrimati Aiyengar assumed charge as Deputy Director (EI) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 23rd August, 1978.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

(DEPARTMENT OF SUPPLY)
DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 26th October 1978

No. A6/247(115)/V.—Shri P. C. Bose a permanent Asstt. Director of Inspection (Met.) Grade III of the Indian Inspection Service, (Met. Branch) (Group A) and officiating Dy. Director of Inspection (Grade II of the Indian Inspection Service) in Jamshedpur Inspectorate under the Directorate General of Supplies and Disposals, retired from Govt. Service

on the afternoon of 30-9-78 on attaining the age of super-annuation.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 27th October 1978

No. A. 19011(41)/78-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Bose, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 29th September, 78, until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th September 1978

No. A. 12026/36/77(HQ)-Admn. I.—In continuation of this Dte.'s notification No. A. 12026/36/77(HQ)-Admn. I, dated the 3rd February, 1978, the President is pleased to appoint Shri H. K. Dhote to the post of Architect in this Directorate for a further period from 5-2-78 to 10-3-78 on an *ad hoc* basis *vide* Shri M. K. Gupta on leave.

S. L. KUTHIAJALA
Deputy Director Admn. (O&M)

New Delhi, the 25th October 1978

No. A. 12026/62/76 CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. R. Darane to the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, Bombay on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 10th July, 1978, until further orders.

N. S. BHATTIA
Dy. Director Administration (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 26th October 1978

No. A. 19023/71/78-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Narayan Singh, Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Calcutta with effect from 7-9-1978 (P.N.), until further orders.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Singh relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Bangalore in the afternoon of 4-9-1978.

No. A. 19023/74/78-A. III.—Shri G. K. Pallan, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi with effect from 11-9-78 (F.N.) on purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Pallan relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at New Delhi in the forenoon of 11-9-78.

The 28th October 1978

No. A. 19025/33/78-A. III.—The name of Shri Umesh Kumar appearing at Sl. No. 6 in this Dte.'s Notification No. F. 4-6(69)/77-A.III dated 3-11-77 regarding regular appointments to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) with effect from 7-7-1977, may please be treated as deleted. Shri Umesh Kumar will continue to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on an *ad-hoc* basis until further orders.

No. A. 19025/107/78-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Dr. Amal Kumar Das has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Madras with effect from 16-10-78 (F.N.), until further orders.

B. L. MANI HAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 25th October 1978

ORDER

NFC/PA V/20/1692.—WHEREAS Shri Syed Abdul Rasheed, Tradesman 'B', EES, NFC, failed to report for duty on the expiry of the leave granted to him for 90 days from 11-1-1978 with permission to prefix 10-1-1978,

AND WHEREAS the said Shri Rasheed by his letter dated 4-4-1978 appearing to have been written from Saudi Arabia applied for extension of leave upto July 9, 1978, but did not mention his address in the letter,

AND WHEREAS a memo directing the said Shri Rasheed to join duty immediately was sent to his last known address viz., H. No. 12-1-759, Asifnagar, Hyderabad on 8-5-1978, as the said Shri Rasheed did not give his leave address in his leave application dated 5-1-1978 or in his letter dated 4-4-1978 requesting for extension of leave,

AND WHEREAS the said Shri Rasheed continued to absent from duty,

AND WHEREAS a memo was issued to the said Shri Rasheed by the undersigned on 23-7-1978 informing the said Shri Rasheed that it was proposed to hold an inquiry against him for the misconduct and directing the said Shri Rasheed to submit his statement of defence,

AND WHEREAS the said memo dated 23-7-1978 sent by registered post acknowledgement due to the last known address of the said Shri Rasheed, viz., H. No. 12-1-759, Asifnagar, Hyderabad was returned undelivered with the remarks 'party is out of station and hence returned to sender'.

AND WHEREAS the said Shri Rasheed has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Rasheed has been guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965,

AND NOW THEREFORE the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Syed Abdul Rasheed from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR
Dy. Chief Executive

Hyderabad, the 25th October 1978

ORDER

No. NFC/PA.V/20/1693.—WHEREAS Shri Shaik Mahboob, T/D, MES, failed to report for duty on the expiry of the leave granted to him for 19 days from 15-1-1978 with permission to avail w/offs on 17-1-1978, 24-1-1978, 31-1-1978, 7-2-1978 and also public holiday on 26-1-1978,

AND WHEREAS the said Shri Mahboob by his leave application dated 13-2-1978 applied for extension of leave upto 23-2-1978,

AND WHEREAS a telegram dated 18-5-1978 directing the said Shri Mahboob to report for duty immediately was sent to his last known address viz., H. No. 7-2-216, Ashok Colony, Hyderabad-18, which according to intimation received from Central Telegraph Office, Hyderabad, could not be delivered owing to "addressee left",

AND WHEREAS the said Shri Mahboob continued to absent from duty,

AND WHEREAS a memo was sent by registered post acknowledgement due to the addresses given in the leave application dated 13-2-1978 and the application for employment in NFC, directing the said Shri Mahboob to report for duty and submit satisfactory explanation for his unauthorised absence, not later than 10-9-1978,

AND WHEREAS the memo dated 31-8-1978 was returned by the postal authorities with remarks to the effect that the addressee was out of India and hence the same could not be delivered to the above addresses,

AND WHEREAS the said Shri Mahboob has continued to remain absent and failed to inform NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Mahboob has been guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders.

NOW THEREFORE the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm dated 3-12-1970 and/or under Rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, hereby dismisses the said Shri Mahboob from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR
Dy. Chief Executive

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 12th October 1978

No. RRC-II-1(26)/72.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this Centre in an officiating capacity on an ad hoc basis to the posts mentioned against each with effect from the afternoon of September 4, 1978 until further orders. :—

Sl. No.	Name and Designation	Substantive post	Promoted to officiate as
1.	Shri A. Sethumadhavan Asst. Admn. Officer	Stenographer, Bhabha Atomic Research Centre	Administrative Officer-II
2.	Shri M. Krishnamoorthy, Selection Grade Stenographer	Stenographer, Bhabha Atomic Research Centre	Assistant Administrative Officer

B. SRINIVASAN
Chief Administrative Officer
for Project Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th October 1978

No. A. 32014/2/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to promote the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on a purely ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the date stated against their names, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad) :—

S.No.	Name	Date
1.	Shri J. P. Kapoor	—25-9-78
2.	Shri P. M. Dhanraj	—25-9-78
3.	Shri A. F. Herbert	—25-9-78
4.	Shri C. B. Yadnaik	—25-9-78
5.	Shri P. K. Das	—25-9-78
6.	Shri A. C. Das	—25-9-78
7.	Shri G. B. Singh	—25-9-78
8.	Shri Inderjit Singh	—5-10-78

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 25th October 1978

No. 1/467/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Satyanarayana Murthy, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in New Delhi with effect from the forenoon of the 1st September, 1978 and until further orders.

P. K. G. NAYAR
Director Admn.
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 21st October 1978

No. 28/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Supdt. Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/78 dated 9-1-78 issued under endt. C.No.II-22-Et/78/44 dated 9-1-78 and I/A/24/78 issued under C.No. II-22-Et/78/108 dated 17-1-78 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 Shri S. K. Agarwal, Insp. (S.G.) assumed the charge of Supdt. CE. MOR Sikandrabad in the forenoon 20-1-78.

No. 37/78.—Consequent upon his transfer vide this office Estt. Order No. I/A/149/78 dated 1-6-78 issued under 16—336GI/78

C. No. II-22-Et/78/27386 dated 1-6-78 from MOR.I Modinagar (G. I division) to D.C. office, Meerut Shri D. N. Bhatia, Superintendent Group 'B' handed over the charge of his post to Shri M. N. Mathur, Superintendent Group 'B' in the Afternoon of 3-8-78 & took over the charge of Superintendent Central Excise in Deputy Collector office, Meerut in the forenoon of 7-8-78.

The 23rd October 1978

No. 39/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Supdt. Central Excise, Group 'B' vide Collector Central Excise, Kanpur Estt. Order No. I/A/149/78 dated 1-6-78 issued under endt. C.No. II-22-Et/78/27386 dated 1-6-78 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200 Shri Chet Ram Jaint took over/assumed the charge of Supdt. C.E. MOR. III Modinagar in the forenoon/afternoon 26-6-78.

The 25th October 1978

No. 41/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Administrative Officer Central Excise, Group 'B' vide Collector's Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/254/78 dated 19-8-78 issued under endt. C.No. II-145-Estt/75/40410 dated 19-8-78, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 Shri N. R. Gajwani, Office Supdt. took over the charge of Administrative Officer in the forenoon of 11-9-78 at I.D.O. Ghaziabad-II division.

No. 42/78.—In pursuance of this office Estt. order No. I/A/149/78 dated 1-6-78 issued under C.No. II-22-Et/78/27386 dated 1-6-78 Shri P. S. Tiwari assumed the charge of Superintendent Central Excise, MOR II Farrukhabad in the forenoon of 8-7-78.

K. L. REKHI,
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 26th October 1978

No. A-32012/2/70-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-32012/2/70-Adm.V dated the 7th May, 1978. Chairman, Central Water Commission, hereby extends the ad-hoc appointment of Shri D. S. Kaloti to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period from 11-11-1978 to 17-12-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

The 27th October 1978

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of notification No. A-19012/667/77-Adm.V dated the 15th July, 1978. Chairman, Central Water Commission, hereby extends the ad-hoc appointment of Shri S. C. Sood to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Sikkim In-

vestigation Division, Gangtok (Sikkim), Central Water Commission, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period from 26-10-1978 to 31-12-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-19012/725/78-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri G. B. Balakrishnan Supervisor to the grade of Assistant Engineer in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 11th July, 1978 till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 28th October 1978

CORRIGENDUM

No. A-19012/707/78-Adm.V.—The name of Shri U. S. Bhaskar Rao appearing at Serial No I of this Commission's Notification No. A-19012/707/78-Adm.V dated 24-7-78 may be read as Sri S. U. Bhaskar Rao.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 28th October 1978

No. 3-314/73-Estt.(E).—Shri J.R.L. Gupta is appointed to the post of Assistant Engineer in the Central Ground Water Board, Faridabad w.e.f. 18-9-1978(FN) till further orders.

No. 3-553/78-Estt.(E).—Shri M. D. Kalra, Jr. Engineer is promoted to the post of Stores Officer, GCS Group 'B' (Gazetted) on temporary basis in the Central Ground Water Board Faridabad w.e.f. 5-10-78 (AN) till further orders.

AJIT SINGH
Chief Engineer & Member.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 23rd October 1978

1. E/283/31 Pt IX(O).—Shri K. S. Roy, PWI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as AFN with effect from 17-4-78.
2. E/283/III/128 Pt. III(O).—Shri A. V. Sundaram, AEE (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as SEP with effect from 21-4-78.
3. E/283/III/128 Pt. III(O).—Shri S. A. Sami, Shop Supdt. (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as AEE with effect from 22-4-78.
4. E/283/III/128 Pt. III(O).—Shri E. R. Kurup, AEE (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as DEE with effect from 25-4-78.
5. E/283/III/133 Pt. III(O).—Shri K. K. Pillai, SI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as ASTE with effect from 1-5-78.
6. F/283/30/PVI(O).—Shri S. K. Ganguly, CA to DS (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt : Personnel Officer w.e.f. 9-5-78.
7. E/283/30/PVI(O).—Shri A. Sen Gupta, SLWI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt : Personnel Officer w.e.f. 11-5-78.
8. E/283/30/PVI(O).—Shri A. Chatterjee, CA to GM (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt : Personnel Officer with effect from 11-5-78.
9. E/283/30/PVI(O).—Shri M. L. Roy, CLWI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt : Personnel Officer with effect from 11-5-78.
10. F/283/III/54 PVIII(O).—Shri A. R. Sen, AMF (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as D.M.E. with effect from 11-5-78.

11. E/283/III/133 PIV(O).—Shri C. B. Bose, TCI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as Asstt : Signal Nad Telecommunication Engineer with effect from 12-5-78.

12. E/283/III/133 PVI(O).—Shri A. Mahanta, ASTE (Class II) is appointed to officiate in Class II service purely on Ad-hoc measure as DSTE with effect from 16-5-78.

13. E/283/30 PVI(O).—Shri J. Bhattacherjee, CLWI (Class III) is appointed to officiate in Class II service as APO with effect from 18-5-78.

14. E/283/III/54 PVIII(O).—Shri K. V. S. S. Prasad Rao, Supdt. Spectrography (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad-hoc measure as ACMT with effect from 9-6-78.

No. E/55/III/91 P. III (O).—The following officers of the T (T) & C. Department are confirmed in the Junior Scale with effect from the date noted against each.

Sl. No., Name of officer. Date from which confirmed

1. Sri P. S. Roy.—1-7-78.
2. Sri R. K. Kairi.—16-7-78.

B. VENKATARAMANI
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS.

**(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Trade Chemical and Adhesive Company Private Limited

Patna, the 25th October 1978

No. (842)4/560/78-79/4499.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Trade Chemical and Adhesive Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. BANERJEE,
Registrar of Companies,
Bihar.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Karaikal Commercials Private Limited.

Pondicherry-1, the 27th October 1978

C. No. 59/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company 'Karaikal Commercials Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA,
Registrar of Companies,
Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Everest Products (India) Private Limited (Jaipur)

Jaipur, the 27th October 1978

No. STAT/1099/7768.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Everest Products (India) Private Limited Jaipur has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shriban Chemicals and Fertilizers Pvt. Ltd., Jaipur*

No. STAT/1602/7760.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Shriban Chemicals and Fertilizers Private Limited, Jaipur has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

R. D. KUREEL,
Registrar of Companies,
Rajasthan.

*In the matter of Companies Act, 1 of 1956,
and
In the matter of Upper India Selling Agency Private Limited*

Calcutta, the 27th October 1978

No. L/10509/H-D(1758).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 6th January 1975 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

SRI R. K. BHATTACHARJYA
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Special Chit Fund & Financiers Company Pvt. Limited*

Jullundur, the 30th October 1978

No. G/Stat/560/2898/7696.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Special Chit Fund & Financiers Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
New Hindustan Ex-Soldiers Finance Private Limited*

No. G/Stat/560/7699.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the New Hindustan Ex-Soldiers Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX
Lucknow, the 20th September 1978

Establishment—Central Services—Gazetted—
I.T.Os Group B—Confirmation of—

No. 150.—The under mentioned officers of Lucknow Charge are confirmed as Income-tax Officers Group B in the pay scale of Rs. 650-1200 with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer with present place of Posting	Date from which confirmed
1	2	3
	S/Shri	
1.	K. C. Saxena, I. T. O., Sambhal	1-8-1974
2.	Prem Prakash, I. T. O., Budaun	1-11-1976
3.	P. N. Srivastava, I. T. O., Rampur	1-3-1978

Their dates of confirmation are liable to be changed, if found necessary, at any subsequent stage.

S. K. LALL
Commissioner of Income-tax
Lucknow

FORM ITNS

(1) Smt. Shanta Devi w/o Sh. Ishar Dass
R/o 13/27, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001(2) Shri Kirpal Singh & Sh. Amrik Singh
S/o Sh. Jaimal Singh and Smt. Ram Kaur
W/o Shri Jaimal Singh
R/o W-175, Mayapuri, Phase-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-III/10-78/290.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/30 situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A lease hold plot No. 25/30, measuring 300 sq. yds. situated at Tilak Nagar Colony, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane
South : Road
East : Plot No. 29
West : Road.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 24-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Saudagar Mal
S/o Shri Gurditta Mal Chanana
R/o S-12, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(2) 1. Shri Ram Asra and 2. Shri Bhagat Ram
S/o Shri Ishar Dass
R/o S-13, Janta Market, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th October 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/10-78/292.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
1/3rd share of property No. S-12 situated at Janta Market,
Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 18-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property No. S-12, situated in the Colony
known as Rajouri Garden, area of village Tatarpur, Delhi
State, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation
and the boundary of said 1/3rd share is as under :—

North : Property No. S-11
South : Remaining 2/3rd portion of property No. S-12
East : Gali
West : Road.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 24-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th October 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/10-78/289.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. B-41 situated at Shankar Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Uma Batra W/o Sh. Yash Pal Batra
R/o C. Street, 7-E, (MIG) Flat C-8,
Rajouri Garden New Delhi,
through G.A. Inder Prakash Batra.

(Transferor)

(1) Shri Ajit Singh Mahajan
S/o Shri Lal Singh Mahajan,
126, North Vijay Nagar Agra-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. B-41, measuring 397.2/9 sq. yds. part of Killa No. 4, Rect. No. 9, situated in the residential approved colony known as Shankar Garden, area of village Possangipur Delhi state, Delhi, within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

North : Passage 15 ft. wide
South : Road 36 ft. wide
East : Plot No. B-42
West : Plot No. B-40.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 666.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 14/13-1-13 situated at Main Road, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 2-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Vadlamani Laxmikantam,
2. V. Venkataramana,
3. V. Kamasastri Subrahmanyam,
Ramalingeswara Agraharam,
Suryaraopeta, Kakinada.
- (2) 1. Pobolu Punnaiah,
2. P. Seetharamamurty,
3. P. Subrahmanyam,
4. P. Bhaskara Venkatalaxminarasimharao,
5. P. Nookaraju Satyanarayananurty,
Digumartivari Veedhi, Kakinada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 495/78 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 29th July 1978

Ref. No. Acq. File 723.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 166/2 & 3/3 situated at Tiruvur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruvur on 17-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Machineni Ramakrishnaiah
2. M. Venkata Koteswara Rao
3. M. Janardhana Rao
4. M. Uttar Prasad,
5. M. Devata Varaprasad
6. M. Venkataramarao
M/g. Father Sri M. Ramakrishnalah,
Lankapalli, Sathupalli Tq. Khammam Dist.

(Transferors)

(2) Dr. Kothuru Narasimha Rao,
s/o Venkatappaiah,
Balaji Nursing Home, Tiruvur,
Krishna Dist.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The scheduled property as per registered document No. 169/78 registered before the Sub-Registrar, Tiruvur, during the F.N. ended on 28-2-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 29-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KAKINADA
NEW DELHI-110001,

Kakinada, the 31st July 1978

Acq. File Ref. No. 724.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 615 & 616 situated at Boddanapalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Nuzvid on 13-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11—336G1/78

(1) 1. Smt. Katakam Seetharavamma,
w/o Venkateswararao,
2. Katakam Satyanarayana,
s/o Venkateswara Rao
3. Katakam Radhakrishna,
s/o Venkateswara Rao
4. Katakam Srinivasarao,
s/o Venkateswararao,
5. Katakam Kasi Viswanadharao,
s/o Venkateswararao,
Narsisingapalem, Nuzvid, Tq., Krishna Dist.
(Transferor)

6. Bandi Vijayalakshmi,
w/o Umamaheswararao,
8th Ward, Nuzvid.
7. Nallamudi Baby Sarojini,
w/o Bhaskararao,
Edara, Nuzvid Tq.
(2) Vijju Venkata Visweswara Suryanarayana,
s/o Atchayya,
Nuzvid, Krishna Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 266/78, registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 13-2-1978.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 3-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kolli Venkamma, w/o Pullayya, Vissannapeta, Tiruvur Tq.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yasoda Satyanarayana, s/o Ramayya, Vissannapeta, Tiruvur Tq., Krishna Dist.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 31st July 1978

Acq. File Ref. No. 725.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 625 situated at Vissannapeta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 14-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 275/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-7-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 31st July 1978

Acq. File Ref. No. 726.—Whereas, I N. K.
NAGARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 8/317A situated at Gudivada, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada in February 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Alva Chakradhararao.

2. A. Gopalakrishna Rao.

3. A. Venkata Rao.

4. A. Saikumar.

5. A. Sai Prasad.

6. A. Sai Krishnaprasad.

M/G Father Sri A. Chakradhara Rao,
c/o Durga Radios & Electronics, Besant Road, Opp.
Modern Cafe, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Gadiraju Satyanarayana, Executive Engineer,
Thandava Reservoir Division, Narsipatnam Tq.,
Vizag Dist.

(Transferee)

(3) 1. M. Veerabhadra Rao.

2. D. Radhakrishna Murthy, Gudivada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 392/78 registered before the Sub-Registrar, Gudivada, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-7-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

(1) Shri Cherukuri Venkata Ratnagiribabu and Ch. Balaji, M/G Mother Smt. Ch. Vijayalaxmi, w/o Venkataratnagiribabu, Perisepalli, Pamarru (P.O.), Gudivada Tq.

(Transferor)

(2) Shrimati Veerisetty Laxmi, w/o Anjaneyulu, 14th Ward, Gudivada.

(Transferee)

(3) 1. G. Subbarao.
2. G. Manga Rao.
3. D. Ramakotaiah.
4. P. Krishnaiah, Gudivada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Acq. File Ref. No. 768.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 14/82 to 85 situated at Gudivada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 9-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 355/78 registered before the Sub-Registrar, Gudivada, during the F.N. ended on 15-2-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-8-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Acq. File Ref. No. 769.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 6/4, 6/5, 6/4A, 6/492, 6/493 & 493A situated at Masulipatam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Masulipatam on 15-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohd. Humayun, s/o Mohd. Abdul Hai, Lalapeta, Guntur.
(Transferor)
- (2) Shri Syed Ismail, s/o Shareefuddin Saheb, Kennedy Road, Near new Mosque, Jawaharpet, Masulipatam.
(Transferee)
- (3) 1. T. Koteswara Rao.
2. M. Laxminarasamma.
3. S. Janakiramaiah.
4. P. Nageswara Rao.
5. K. Subbarao.
6. P. Chengachari.
7. Ch. Sreeramulu.
8. P. Chandrasekhara Rao.
9. Kumar.
10. Dr. N. V. Subbarao, Masulipatam.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 843/78 registered before the Sub-Registrar, Masulipatam, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Nandipati Gangadhar Karamchand Gandhi.
 2. Gurupudi Sivaram Prasad.
 3. G. Ananta Kishore.
 4. G. Suresh Kumar.
 5. Mohd. Galeb, Marwadi Temple Street (Ph. No. 76969), Vijayawada-1.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Acq. File Ref. No. 770.—Whereas, 1 N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1/143 situated at Bhavanipuram, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 10-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 874/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Polakampalli Pitchayya Rao, s/o Venkata-
krishnaiah, Tarigoppala, Gannavaram Tq., Krishnā
Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

(2) Shri Paladugu Venkatarao, s/o Parasuramāiah,
c/o Sri Salyanarayana Swamy Auto Finance Co.,
Krishnalanka, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 213 /
78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the
F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-8-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Acq. File Ref. No. 772.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 31 situated at Chatrai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 10-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Settipalli Venkatarao, s/o Venkateswara Rao, Kalaturu, Nuzvid Tq., Krishna Dist.
(Transferor)

(2) Shri Paladugu Satyanarayana, s/o Parasuramaiah, c/o Sri Satyanarayana Swamy Auto Finance Co., Krishnalanka, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 214/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-8-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shrimati Inuganti Laxmivenkayamma, w/o Venkatanarasimharao, Chatrai, Tiruvuru Tq., Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Shrimati Paladugu Satyavathi, w/o Parasuramaiah, c/o Sri Satyanarayanaswamy, Auto Finance Co., Krishna Lanka, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Kakinada, the 24th August 1978

Acq. File Ref. No. 773.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 30, situated at Chatrai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 10-2-1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 215/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 15-2-1978.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

12—336GI/78

Date : 24-8-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rao Venkatakrishna Rao, s/o Venkata Suryaprakasarayanan, Uppada Kothapalli, Pitapuram Tq., East Godavari Dist.

(Transferor)

(2) Shri Paladugu Satyanarayana, s/o Parasuramaiah, Tallamudi, Eluru Tq., W.G. Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Acq. File Ref. No. 774.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 101 situated at Chatrai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 10-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 210 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely :—

Date : 24-8-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Acq. File Ref. No. 775.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 102 situated at Chatrai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Nuzvid on 10-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rao Venkatakrishna Rao, s/o Venkata Suryaprakasarayanan, Uppada Kothapalli, Pithapuram Tq., East Godavari Dist.

(Transferor)

(2) Shri Paladugu Satyanarayana, s/o Parasuramaiah, Tallamudi, Eluru Tq., W.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 211/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-8-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Rao Prakasa Rao, s/o Venkatanarasimha Rao,
Uppada Kothapalli, Pithapuram Tq.
(Transferor)

(2) Shri Paladugu Satyanarayana, s/o Parasuramaiah,
Tallamudi, Eluru Tq., W.G. Dist.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Acq. File Ref. No. 776.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 101, situated at Chatrai, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nuzvid on 10-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 212/78 registered before the Sub-Registrar, Nuzvid, during the F.N. ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gondesi Apparao Reddy alias Appareddy, S/o Satyanarayana, Near Rama Mandiram, Governorpet, Vijayawada-2.
(Transferor)

(2) Shrimati Kollapudi Ramadevi, w/o Satyanarayana, Brahmin St., Vijayawada-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Ref. No. Acq. File No. 777.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-32-26 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 17-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per Registered Document No. 662/78 registered before the SRO, Vijayawada during the Fortnight ended on 28-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 24-8-1978.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Kakinada, the 24th August 1978

Ref. No. Acq. File No. 778.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33—48 situated at Tanuku, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 3-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Malapaka Rama Murthy, S/o Gowripati, 10th Ward, Tanuku, W.G. Dt.
(Transferor)

(2) Dr. Chunduri Gopalakrishna, S/o Satyanarayana Murthy, Tanuku, W.G. Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 205/78 registered before the Sub Registrar, Tanuku during the fortnight ended 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-8-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Malapaka Rama Murthy, S/o Gowripati, 10th Ward, Tanuku.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Chunduri Gopalakrishna, S/o Satyanarayana Murthy, Tanuku, W.G. Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Ref. No. Acq. File No. 779.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

33—48 situated at Tanuku, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 10-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Schedule Property as per Registered Document No. 248/78 registered before the Sub Registrar, Tanuku during the fortnight ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-8-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 24th August 1978

Ref. No. Acq. File No. 780.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15-5-3 situated at Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on 9-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shrimati Ganne Sivakumari, Legal Representative of G. Sreemannarayana and Minor Guardian of Mr. G. Giridhar, C/o G. Subbarao, Thotlavallur, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Shrimati Tangudu Rajeshwari, W/o Narayana-murthy, Gnanapuram, Vishakapatnam-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 646/78 registered before the Sub Registrar, Vishakapatnam during the fortnight ended on 15-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 24-8-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pasumarthi Veeraraju, c/o P.V.S. Setty, State Bank of India, Main Branch, Rajahmundry.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Dachepalli Vasumathi, w/o China Ramudu, Bondada Veedhi, Vizianagaram.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 18th September 1978

Acq. File Ref. No. 793.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-9-10 situated at Vizianagaram, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 27-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 676/78 registered before the Sub-Registrar, Vizianagaram, during the F.N. ended on 28-2-1978.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

13—336GI/78

Date : 18-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Pantam Radha, w/o Subbarao, Madhav Nagar, Kakinada-533003.

(Transferors)

(2) Shrimati Yelamanchili Subhadra Devi, w/o Venkata Laxmipathi, Opp. Municipal Office, Kakinada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Kakinada, the 18th September 1978

Acq. File Ref. No. 794.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar Acquisition Range Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-12-1 situated at Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kakinada on 10-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 762/78 registered before the Sub-Registrar, Kakinada, during the F.N. ended on 28-2-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Akunuri Satyanarayana Rao, Advocate, No. 215/3RT, Saidabad Colony, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vattikuti Venkata Raju, Contractor, Perdavecdhi Jampet, Rajahmundry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 20th September 1978

Acq. File Ref. No. 795.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28-4-66 situated at Jampeta, Rajahmundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 15-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 563/78 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry, during the F.N. ended on 15-2-1978.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 20-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society, Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Manan s/o Abdul Karim, Bhaldarpura, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. IAC/ACQ/73(64)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 67, 68 & Godown No. 9 and 10, constructed on Plot No. 58 in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 8th February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 67, 68 and Godown No. 9 and 10, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 20-7-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) The Nagpur General Merchants' Co-operative Market cum Housing Society, Ltd, Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Zaimin Hussain S/o Mulla Gulam Ali, Central Avenue, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(66)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 108 & 109, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30 Gandhibagh, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 8th February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Shop No. 108 & 109, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dated : 20-7-1978
Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978 .

No. IAC/ACQ/73(67)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 80, constructed on Plot No. 58 Ward No. 30 Gandhibagh Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 8-2-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market Cum Housing Society Ltd. Gandhibagh, Nagpur, through its, Secretary Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shantabai w/o Omprakash Gupta, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 80, constructed on Plot No. 58, Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dated : 20-7-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(68)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 35 & Godown No. 11, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 8-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society Ltd., Gandhibagh, Nagpur through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Maniklal Motilal Mutha, 261, New Ramdaspath, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 35 and Godown No. 11, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 20-7-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF****CHEMBER, SADAR, NAGPUR**

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(69)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 1, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 8-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Nagpur General Merchants Co-operative Market cum Housing Society Ltd., Gandhibagh, Nagpur, through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Shabir Hussain s/o Akbarali, Itwari, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. M. CHAVDA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dated : 20-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society Ltd., Gandhibagh, Nagpur through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenuc, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Amanullah Khan Assadullah Khan, Bangali Panja, Nagpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(70)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 15, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 8-2-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 15, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—336GI/78

Dated : 20-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society Ltd., Gandhibagh Nagpur through its Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Deoji Kothari, Sitabuldi, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. IAC/ACQ/73(71)/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 76, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 8-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Shop No. 76, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30 Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dated : 20-7-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF
CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 20th July 1978

No. IAC/ACQ/73(72)/78-79.—Whereas, I,
K. M. CHAVDA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 38, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 8-2-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Nagpur General Merchant's Co-operative Market cum Housing Society Ltd., Gandhibagh, Nagpur through its, Secretary, Shri D. L. Multani, Central Avenue, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal Jaigopal Khatri, 149, Madunmal Jalalpura, Gadarlane, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 38, constructed on Plot No. 58, in Ward No. 30, Gandhibagh, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Dated : 20-7-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhawanji Laddhabhai Chauhan Congress Nagar, Nagpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR,
NAGPUR

Nagpur, the 1st September 1978

No. IAC/ACQ/76/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 18, Ward No. 9 constructed area 515.488 M2 and Total Plot area 1839.42 M2 Sardar Patel Timber Market, Nagpur, situated at Nagpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 3rd February 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(2) Smt. Kulwant Kaur w/o Tirlok Singh Khanduja, Parasia.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Ward No. 9, Area 1839.42 M2 and Constructed area 515,488 M2 situated at Sardar Patel Timber Market, Nagpur.

K. M. CHAVDA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-9-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) 1. Shri Santosh Kumar Paikaji Thakre.
2. Shri Govindrao Narayan Ghawghawé.
3. Shri Jairam Marbaji Shende.
4. Shri Prabhakar Jairam Shende.
all resident of Nagpur.

(Transferors)

(2) Shri Ramchandra Eknathji Dhoble, Circle No. 11/
16, Garoba Maidan, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE**

3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR

NAGPUR

Nagpur, the 2nd September 1978

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. IAC/ACQ/77/78-79.—Whereas, I K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

NIT Plot No. 4, Middle Precint Exit Basti, Scheme No. III, Garoba Maidan, Div. No. 2, Cir. 5/10, W. No. 24/12, Nagpur situated at Nagpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 9-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

NIT Plot No. 4, Scheme No. III, Garoba Maidan, Div. No. 2, Circle No. 5/10, Ward No. 24/12, Garoba Maidan, Nagpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

K. M. CHAVDA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 2-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vishnu Mahadeo Kulkarni, Advocate, Civil Lines, near Government Press, Nagpur.
(Transferor)

(2) Smt. Suman Prabhakarao Deshmukh, Tipre Galli, Itwari, Nagpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBER, SADAR

Nagpur, the 20th September 1978

No. IAC/ACQ/81/78-79.—Whereas, I, K. M. CHAVDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. East Portion of House No. 917, in ward No. 31, Circle No. 8/13, Tipre Galli, Itwari, Nagpur situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 9-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

THE SCHEDULE

East Portion of House No. 917, in ward No. 31, Circle No. 8/13, Tipre Galli, Itwari, Nagpur. Partly double story portion and partly three story portion of the above house.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. M. CHAVDA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-9-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Udit Kumar Dasgupta 10, Mandeville Gardens, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Auroville Co-operative Housing Society Ltd., 57-C, Kankulia Road, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th July 1978

Ref. No. 410/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I
KISHORE SEN,
being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, situated at Mandeville Gardens, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 14 cottahs 12 chittacks 12 sq. ft. together with structures situated at and being the divided portion of 10, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. I-1004 of 1978 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor).

Date : 24-7-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Udit Kumar Dasgupta Sunil Kumar Dasgupta
Rabindranath Dasgupta—all of 10, Mandeville Gar-
dens, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s Auroville Co-operative Housing Society Ltd.,
57-C, Kankulia Road, Calcutta.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 24th July 1978

Ref. No. 411/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I
KISHORE SEN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 10, situated at Mandeville Gardens, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 24-2-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 36.56 cattahs
together with structures situated at 10, Mandeville Gardens,
Calcutta, as per deed Nos. 1044, 1005 and 1006 of 1978
taken all together.

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 24-7-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sudarsan Mehta 5C, Orient Row, Calcutta-17.
(Transferor)

(2) Sri Samarendra Nath Ghatak and Sri Sourindra Nath Ghatak, 1A, Orient Row, Calcutta-17.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 4th August 1978

Ref. No. SI 453/TR-270/C-256/Cal-/77-78.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5C, situated at Orient Row, Calcutta-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—336GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Kottahs 2 Chittack 15 sq. ft. of land with three storied building being premises No. 5C Orient Row, Calcutta-17 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. I-867 of 1978.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-8-1978,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nripendra Nath Sinha, 756, Block-P, New Alipur, Calcutta-53.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 25th September 1978

Ref. No. Ac-15/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 756, Block-P, situated at New Alipur, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipur on 21-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1-cottah, 5-chittaks and 22-sq. ft. with building being premises No. 756, Block-P, New Alipur.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 18-4-1978

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

Calcutta, the 25th September 1978

Ref. No. SI.456/TR-269/c-253[Cal-1]77-78.—Whereas, I. C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20 situated at Nawab Abdur Rahaman Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5 Govt. Place North Calcutta on 21-2-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) S. K. Sawkat Ali (2) Sharafat Hossain (3) Zarafat Hossain being No. 2 & 3 Minor Sons represented by their legal guardian father S. K. Sawkat Ali and of 50 Alinuddin Cal-16

(Transferor)

(2) (1) Shri Ashya Khanam (2) Md. Fazle Karim (3) Md. Enayet Karim of 20 Nawab Abdul Rahaman st Cal-16.

(Transferee)

*(3) (1) Shri Ashya Khanam (2) Md. Fazle Karim (3) Md. Enayet Karim of 20 Nawab Abdul Rahaman st Cal-16.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The premises No. 20 Abdur Rahaman at Calcutta together with Land belonging thereto, about 5 k to 8 ch 7 saft) as per deed No. I-905 of 1978 registered with Registrar of Assurances Calcutta on 21-2-78.

C. N. DAS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Cal-16.

Date : 25-9-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Ashoke Chatterjee S/o Late Ramananda Chatterjee
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parbati Gupta
4 Baparitola Lane Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

Calcutta, the 25th September 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Sl.457/TR-250/c-235[Cal-1]77-78.—Whereas, J. C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34C situated at 47 Elliot Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Govt Place North Calcutta on 6-2-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property consists of prices of vacant Land measuring 2 K 12ch with a structure of tin shed. Premises No. 47 Elliot Road Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. N. DAS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 25-9-78
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Calcutta, the 25th September 1978

Ref. No. Sl.458/TR-253/c-239[Cal-1]77-78.—Whereas, I. C. N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Madan Baral Lane Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5 Govt Place North Calcutta on 15-2-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) Manjuri Kr. Palodhi (4) Swarna Kr. Palodhi
(5) Sashadher Palodhi 11A, Bancharam Akbar
(1) (1) Kamla Bala Palodhi (2) Tulsidas Palodhi
Lane Calcutta.

(Transferor)

(2) (1) Surjit Kr. Banik (2) Narayan Chand Banik
(3) Surendra Chand Banik 2-C Madan Baral Lane
Calcutta.

(Transferee)

* (3) (1) Shri Jagesh Chand Banerjee
(2) Sm. Manjushri Dutta

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Premises No. 7 Madan Baral Lane Calcutta together with Land belonging there to (1 k 3 ch 20 saft) as per deed No. 794 of 1978 registered with Registrar of Assurances Calcutta on 15-2-78.

C. N. DAS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Cal-16.

Date : 25-9-78
Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri Ram Ratan Sonthalia (2) Nawrang Prasad Sonthalia (3) Makhan Lal Sonthalia (4) Sant Kr. Sonthalia (5) Pawan Kr. Sonthalia
(Transferor)

(2) The Dejoo Tea Co (India) Private Ltd.
(Transferee)

*(3) Consulate general of the Union of Soviet Socialist Republic in Calcutta.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Calcutta, the 21st October 1978

Ref No. Sl.463/TR-268/c-252[Cal-1]77-78.—Whereas,
I. C. N. DAS,
being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 31, situated at Theatre Road Calcutta
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at 5 Govt Place North Calcutta on 23-2-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly one & Partly two storeyed brick built house being the premises No. 31, Theatre Road Calcutta situated on a plot of land measuring 1 Bigha 18 k 3½ ch and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. 1-970 Dt. 23-2-78.

C. N. DAS,

Competent Authority
Income-tax, Acquisition Range-I
Income-tax, Acquisition Range-I)

Date : 21-10-78

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

Smt. Krishna Kanta Sud

(Transferor)

Smt. Manjula Bhattacharyya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

Calcutta the 28th October 1978

Ref. No. AC-32/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-187, situated at Block A, Bangur Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 25-2-1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 0 Chittak 3 ft together with Partly two storied and partly three storied building thereon situated at P-187, Block-A, Bangur Avenue, P. S. Lane Town, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Cal-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated : 28-10-78
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Acquisition Range-1, Madras-6.

Madras-6, 1st July 1978

No. Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 222/4, 290/1 & 290/2, situated at Thanichiyam Village, Dindigul Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Vadipatti on 15th February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Minor M. R. S. A. R. Vallaiappan, By Gdn. & Mother Smt. Indira Arunachalam, Ammal, 9, 6th Street, Dr. Thirumurthy Nagar, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri P. Krishnan, S/o Ponnaiyan Servai, 44, South Masi Street, Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey Nos. 222/4, 290/1 & 290/2 at Thanchiyam Village, Nilakkottai Tk. Extent of lands —3 acres and 15 cents.

A. T. GOVINDAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 1-7-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Acquisition Range-1, Madras-6.

Madras-6, 1st July 1978

No. 7/Feb./78.—Whereas, I, A. T. Govindan, Rs. No. 166/ICI & 166/IC2, situated at Thanichiyam Village being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 166/1C1 & 166/1C2 at Thanichiyam Village,

Nilakottai Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. O., Vadipatti on 15-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—336GI/78

(1) M. R. S. A. R. Valliappan,
By Gdn. & Mother Smt. Indira Arunachalam,
9, 6th Street Dr. Thirumurthy Nagar,
Nungambakkam, Madras-34,

(Transferor)

(2) Smt. K. Meenakshi Ammal,
D/o. Karuppiah Servai,
143, West Masi Street,
Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.22 acres of agricultural lands in Survey No. 166/ICI and 166/102 at Thanichiyam Vge, Nilakottai Taluk.

A. T. GOVINDAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 1-7-1978,
Seal :

15-7-1978
7/15/78

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Acquisition Range-1, Madras-6.

Madras-6, the 1st July 1978

No. 8/Feb./78.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. 166/3 B1&166/3 B2, situated at Thanichiyam Village, Nilakottai Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Vadipatti, on 15-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Minor M. R. S. A. R. S. Valliappan, By Gdn. mother Smt. Indira Arunachalam, 9, 6th Street, Dr. Thirumurthy Nagar, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Ammal, D/o. Karuppiyah Servai, 143, West Masi Street, Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.84 acres of agricultural lands in Survey No. 166/3 B1&166/3 B2 at Thanichiyam Village, Nilakottai Taluk.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras

Date : 1-7-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range-1, Madras-6.

Madras-6, 1st July 1978

No. 9/Feb./78.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Syv. No. 221/3, situated at Thanichiyam Village, Nilagottai Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar, Vadipatti on 15th February 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Minor M. R. S. A. R. Valliappan, By Gdn. & Mother Smt. Indhira Arunachalam, 9, 6th Street, Dr. Thirumurthy Nagar, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri P. Sethurajan, S/o, Ponnaiyan Servai, 14A, Subramaniapuram 3rd Street, Madurai-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

5.4 acres of agricultural lands at Thanichiyam Village, Nilagottai Taluk.

A. T. GOVINDAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-1,

Madras-6.

Date : 1-7-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range-1, Madras-6.

(1) Shri M. B. S. Henry,
Managing Director,
Madura Coats Ltd.,
Madurai.
2. Shri S. K. Malhotra,
Secretary & Director,
Madura Coats Ltd.,
Madurai.
representing M/s. Madura
Coats Ltd., Madurai
New Jail Road.

(Transferor)

(2) Tuticorin Diocesan Association,
Bishop's house, Tuticorin,
rep. by Rev. Fr. Sebastian Fernando,
Procurator and Secretary.

(Transferees)

Madras-6, the 14th July 1978

Ref No. 20/Feb./78.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 31 to 40, situated at Beach Road, Tuticorin (Doc. No. 314/78) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub Registrar II, Tuticorin on 15th Feb. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre 7.2 cents situate in South Beach Road, Ward No. XXXIII, Tuticorin Town, Tirunelveli District in T. S. No. 1043 & 1099 with all building bearing Nos. from 31 to 40 such as Press House, Office Building, Godowns, Pump Room, Waste Plant Room, Finisher House, Steel Tank, Septic Tanks and Compound Wall.

A. T. GOVINDAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 14-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s S. S. Krishnamurthy etc,
47, Gopathy Narayanaswamy Chetty Road,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Vasudevan,
183, South Masi Street,
Madurai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th August 1978

Ref. No. 29/Febr./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 183, situated at South Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSROI, Madras North (Document No. 134/78) on 14 Feb., 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 83, South Masi Street, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANAND RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amar Singh (Thekedar)
S/o Shri Sanwan Singh
R/o 79, Cantt., Jhansi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Khursheed Khatoon
W/o Shri Mohd. Mahmood,
R/o Bahar Sayyed Gate, Jhansi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Kanpur, the 28th April 1978

Ref. No. ACQ/928/Jhansi/77-78/550—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jhansi on 4-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property bearing bungalow No. 79, Cantonment, Jhansi, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-4-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st May 1978

Ref. No. Acq./924/KNP/77-78/1047.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 3-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Pushpa Kumari Jain
W/o Shri Vijay Kumar Jain and
Shri Vijay Kumar Jain
S/o Shri Bhagwandas
R/o 128/64, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ganga Prasad Sachan
S/o Shri Jagan Nath,
Chaturbhuj Narain
S/o Shri Ganga Prasad Sachan,
Smt. Kamla Devi
W/o Shri Ganga Prasad Sachan,
All R/o Vill. Sujaur, Bhognipur,
Distt. Kanpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property bearing No. 128/64/H-2, Kidwai Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date : 31-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanput, the 6th June 1978

Ref. No. Acq/17/43-A/S.Pur/77-78/1569.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 18-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Sheel Kaur
W/o Late Shri Sewa Ram,
R/o Swatantra Nagri,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Chabra
S/o Shri Khushi Ram Chabra
R/o Bazar Dina Nath,
Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property consisting of Land & Building bearing No. 6/86, Swatantra Nagri, Distt. Sharapur, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7-6-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Nanaak Chand Kansal
S/o Shri Narain Das
as General Attorney Prem Chand Kansal,
R/o Begum Bagh, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Singhal
W/o Shri Laxmi Narain Singhal,
R/o 853, Soti Ganj, Meerut City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1978

Ref. No. Acq/1717-A/Meerut/77-78/2646.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land with boundary wall bearing No. 1110/4 situated at Begum Bagh, Meerut City, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
17—336GI/78

Date : 28-8-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. M. Jameela

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. M. Abu
(for late Smt. T. M. Raja)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS,
M.G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 21st August 1978

Ref. No. L.C.227/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as schedule situated at Palghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palghat on 15-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10 cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 391/78 dated 15-2-1978.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-8-1978
Seal :

FORM ITNS —

(1) Sri A. V. Menon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Sri V. Kunjabdulla (2) Ibrayi (3) Abdul Rahiman and (4) Dr. K. K. Kader.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS,
M.G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 22nd August 1978

Ref. No. L.C. 230/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per scheduled situated at Kasba Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kozhikode on 22-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th right over land and building as per schedule attached to document No. 161/78 of SRO, Kozhikode.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 22-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 12th June 1978

Ref. No. A-186/KRJ/78-79/2000-001.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14779/90 Abjal 14780 Taluk situated at Pargana Kusiarkul, Mauza Banamali, Karimganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 7-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object to:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Md. Sirajul Haque Choudhury,
s/o Late Abdul Haque Choudhury,
Baramali Road, Karimganj.

(Transferor)

(2) Smt. Anurupa Dutta
w/o Late Monmatha Moth Dutta
Ramani Road, Karimganj, Cachar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,500 Sq. ft. and building measuring 720 Sq. ft. situated at Station Road, Karimganj in the district of Cachar, Assam.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 12-6-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Haridas Hazarika,
Oakland, Shillong, Meghalaya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th October 1978

(2) Dr. J. C. Misra Bhagawati,
G. D. Hospital, Shillong,
At present—Bongaigaon Petro Chemicals,
P.O. Bongaigaon.
Distt. Gaolpara.

(Transferee)

(3) 1. Shri Hiten Sarma
United Bank of India, Shillong,
Branch, Shillong.
2. Shri N. G. Chatterjee
C/o Sri Haridas Hazarika
Oakland, Shillong.
3. Shri Haridas Hazarika,
Oak-Land, Shillong.
4. The National Simple Survey, Oakland,
Oak-Land, Shillong.

(Person in occupation of the property)

Ref. No. 4-197/SHI/78-79/2595-96.—Whereas, I,
S. MAJUMDAR
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Patta No. 19 and Plot No. 34 situated at Oak land,
Shillong, Meghalaya,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Shillong on 8-2-78
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4778 Sq. Ft. along with a double storied
Assam type house measuring 1288 Sq. Ft. situated at Oak land,
Shillong, Meghalaya State.

S. MAJUMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269 D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sham Sunder S/o Shri Ram Chandra &
Smt. Vidya Wati W/o Shri Sham Sunder
R/o B-96, Greater Kailash, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Murti Devi D/o Shri Duni Chand
R/o W/84, Greater Kailash-II, New Delhi and
Smt. Radha Devi D/o Sh. Fakir Chand
R/o E-510, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 24th October 1978

Ref. No. IAC/Acq?III/10-78/291.—Whereas, I,
D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agricultural land 26 Bighas 8 Biswas situated at Village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15th April, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land area 26 bighas 2 biswas, Khasra Nos. 1241 (0-5) 1242/1 (2-4), 1253 (4-16), 1254 (4-16), 1282 (4-16), 1283 (4-16), 1284 (415), with Tube-well, situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-10-1978

Seal :